WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने आदर जैन संग कबूल किया अपना रिलेशनशिप

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 263 | लखनऊ, शनिवार, 12 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कोरोना के एक दिन में रिकॉर्ड 96 हजार से अधिक मामले, सर्वाधिक 1209 की मौत

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण की दिन ब दिन विकराल होती स्थिति के बीच लगातार दूसरे दिन नये मामलों और मृतकों की संख्या दोनों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है और पिछले 24 घंटों के दौरान 96 हजार से अधिक नये मामले सामने आये तथा सबसे अधिक 1,209 लोगों की इस संक्रमण से मौत हुई है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 96,551 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 45,62,415 हो गया। इस अवधि में 1,209 संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 76,271 हो गयी। इस दौरान 70,880 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 35,42,664 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 24,462 बढ़कर 9,43,480 हो गये हैं। देश में सक्रिय मामले 20.68 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 77.65 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.67 प्रतिशत है। कोविड-19 से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और यह 8,698 बढ़कर 2,61,798 हो गयी तथा 495 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 28,282 हो गया। इस दौरान 14,253 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 7,00,715 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 67 बढ़ने से सक्रिय मामले 97,338 हो गये। राज्य में अब तक 4,702 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 4,35,647 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 2,067 की वृद्धि हुई है और राज्य में अब 1,01,556 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 6,937 पर पहुंच गया है तथा अब तक 3,22,454 लोग स्वस्थ हुए हैं।

> स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 24,462 बढ़कर 9,43,480 हो गये हैं

चीन लद्दाख से सेना की वापसी सुनिश्चित करेः भारत

नयी दिल्ली/मास्को, एजेंसी। भारत ने स्पष्ट रूप से चीन से पूर्वी लद्दाख में सभी तनाव वाले क्षेत्रों से सैनिकों की व्यापक वापसी सुनिश्चित करने को कहा है जो भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आवश्यक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने गुरुवार को रूस के मॉस्को में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक से इतर मुलाकात के दौरान इस आशय की बात कही। लगभग ढाई घंटे तक चली इस बैठक के दौरान लद्दाख क्षेत्र में व्याप्त सीमा विवाद के हल को लेकर विचार-विमर्श हुआ। सूत्रों के मुताबिक बैठक के दौरान भारतीय पक्ष ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर उपकरणों के साथ चीनी सैनिकों की बड़े पैमाने पर मौजूदगी पर चिंता व्यक्त की। भारत ने साफ तौर पर कहा कि सैनिकों की इतनी बड़ी उपस्थिति 1993 और 1996 के समझौतों के अनुरूप नहीं है और इससे एलएसी पर फ्लैश प्वाइंट बनाए गए। सूत्रों ने कहा कि चीनी पक्ष ने इस तैनाती के लिए कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं दिया है।卐 उन्होंने कहा कि एलएसी पर तनाव की कई घटनाओं में चीनी सीमावर्ती सैनिकों के उत्तेजक व्यवहार ने द्विपक्षीय समझौतों और प्रोटोकॉल के प्रति उपेक्षा दिखाई।

भारत अमेरिका का साझा बयान

आतंकवादी गतिविधियों को लेकर तत्काल कार्रवाई करे पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका ने पाकिस्तान से आतंकवादी गतिविधियों को लेकर तत्काल, निरंतर और अपरिवर्तनीय कार्रवाई करने का आह्वान किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी हमलों के लिए पाकिस्तानी क्षेत्र का उपयोग नहीं किया जाए। आतंकवाद के मुद्दे पर अमेरिका-भारत संयुक्त कार्यदल की 17 वीं बैठक और आधिकारिक स्तरीय संवाद के तीसरे सत्र में 9-10 सितंबर को वर्चुअल बैठक में दोनों पक्षों ने सभी रूपों में आतंकवाद की कड़ी निंदा की। इस बैठक के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारत की ओर विदेश मंत्रालय में आतंकवाद निरोधक संयुक्त कार्यबल प्रकोष्ठ के संयुक्त सचिव महावीर सिंघवी जबकि अमेरिका की ओर विदेश विभाग के संयोजक नाथन

ए सेल्स ने किया। दोनो पक्षों ने सभी रूपों में सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा की। 2008 के मुंबई और 2016 के पठानकोट हमलों के अपराधियों को न्याय दिलाने के लिए दोनों देशों ने अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन सहित सभी आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ ठोस कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित किया। दोनों देशों की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि बैठक में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जाहिर किए गए खतरे की आशंकाओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। भारत और अमेरिका के अधिकारियों ने दुनिया की सबसे अधिक प्रभाव वाली आतंकवाद-विरोधी चुनौतियों का समाधान करने के अपने प्रयासों पर प्रकाश डाला। इसमें आतंकवादी संगठनों के वित्तपोषण और संचालन, इंटरनेट के कट्टरपंथीकरण और आतंकवादी उपयोग,आतंकवादियों के सीमा पार आंदोलन, और अभियोजन पक्ष का मुकाबला करना शामिल है। दोनों पक्षों ने आपसी कानूनी , प्रत्यर्पण सहायता, और द्विपक्षीय कानून प्रवर्तन प्रशिक्षण तथा सहयोग पर भी चर्चा की।

चीनी कब्जे को लेकर राहुल गांधी का मोदी पर फिर वार

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सीमा पर चीनी सैनिकों के कब्जे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फिर हमला करते हुए आज तंज किया और कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि उसके पास उन्हें भगाने की कोई रणनीति है या फिर इसे 'दैवीय घटना' बताकर छोड़ देने की योजना है। श्री गांधी ने ट्वीट किया चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। भारत सरकार की इस जमीन को वापस लाने की क्या योजना है या फिर इसे भी एक 'दैवीय घटना' बताकर नजरंअंदाज किया जा रहा है। कांग्रेस ने भी अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर चीनी सैनिकों की मौजूदगी को लेकर सरकार पर हमला किया और कहा 'चीन लगातार सीमा पर तनाव बढ़ा रहा है। चीन ने 50 हजार सैनिक, 150 विमान, टैंक और मिसाइल तैनात किए हैं। चीन की धमकी पर भारतीय जनता पार्टी का मौन संदिग्ध है औ देश पूछ रहा है कि भाजपा की लाल आंख कहां है।

वर्तमान सरकार सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने का कार्य कर रहीः सीएम योगी

मिनी ग्रीन ट्यूबवेल योजना भारत सरकार की 'कुसुम योजना' से पोषित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष आज लोक भवन में सौर ऊर्जा चालित मिनी ग्रीन ट्यूबवेल योजना का नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई विभाग) द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। यह योजना इस प्रकार संचालित की जाए, जिससे अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि यह योजना पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में प्रदेश में संचालित की जाएगी। इसके अर्न्तगत नलकूप के सबमर्सिबल पम्प का संचालन ग्रीन ऊर्जा (सौर ऊर्जा) के माध्यम से किया जाएगा। यह योजना भारत सरकार की

'कुसुम योजना' से पोषित होगी। इस योजना से लघु, सीमान्त एवं अनुसूचित जातिध्जनजाति के कृषक समूह लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री को यह भी अवगत कराया गया कि इस योजना के द्वारा अनुसूचित जाति,जनजाति की पात्रता के लिए आवश्यक होगा कि न्यूनतम 10 सदस्यों का समूह हों और उसमें समस्त कृषक लघु सीमान्त श्रेणी के 50 प्रतिशत से अधिक सदस्य अनुसूचित जाति,जनजाति के होंगे। 20 वर्ग मीटर की जमीन समूह के किसी एक सदस्य के द्वारा दान कर अनुबन्ध की जाएगी। इसी प्रकार इस योजना के सामान्य लाभार्थियों की पात्रता हेतु अर्हता के लिए न्यूनतम 10 सदस्यों का समूह होगा और ये सभी कृषक, लघु एवं सीमान्त श्रेणी के होंगे। इनके समूह के भी किसी एक सदस्य को 20 वर्ग मीटर जमीन अनुबन्ध के तौर पर देनी होगी। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन टी0 वेंकटेश, प्रमुख सचिव नमामि गंगे, पेयजल योजना, लघु सिंचाई तथा भू-गर्भ जल विभाग अनुराग श्रीवास्तव, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खेल संस्कृति तत्काल बहाल होनी चाहिएः नायडू

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति एम. वैंकैया नायडू ने देश में खेल संस्कृति तत्काल बहाल करने की अपील करते हुए शुक्रवार को कहा कि खेल, योग या कोई अन्य शारीरिक गतिविधि लोगों के दैनिक कार्य कलापों में शामिल होनी चाहिए। श्री नायडू ने पंजाब विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों में खेलों को प्रोत्साहन देने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि छात्रों को अपना आधा समय कक्षा में और आधा समय खेल मैदान, खेत और सामाजिक कार्यों में बिताना चाहिए। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत, नियोजन और समर्पण से खेल में उत्कृष्टता आती है। देश में जीवन शैली संबंधी बीमारियों की घटनायें बढ़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि युवाओं को अस्वास्थ्यकर आहार और आरामपरस्त जीवन के खतरों के बारे में बताना जरुरी है। उन्होंने फिट इंडिया अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इससे लोगों को स्वस्थ रहने में मदद मिलेगी। शुरूआत में खेल प्रतिभा को पहचानने पर बल देते हुए श्री नायडू ने कहा कि इसके लिए देश में उचित माहौल बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधायें उपलब्ध करानी चाहिए जिससे बेहतर खिलाडी और प्रशिक्षक मिल सके।

मोटरसाइकिल चुराने के आरोप में 37 साल बाद व्यक्ति गिरफ्तार

मथुरा, एजेंसी। साल 1983 में मोटरसाइकिल लूट के एक मामले में वांछित उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के निवासी रघुनाथ सिंह को अपराध करने के 37 बाद आखिरकार गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके सिर पर 20 हजार का इनाम रखा गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर ने कहा कि साल 1983 में मानागढ़ी में एक बैंक मैनेजर से मोटरसाइकिल की लूट के मामले तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया था। उनमें से दो को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। उनके कब्जे से मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई थी। हालांकि तीसरा आरोपी रघुनाथ सिंह फरार था। कथित तौर पर अन्य दो आरोपियों के करीबी एक सूत्र ने गुरुवार को मथुरा में सिंह की उपस्थिति के बारे में पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए एक हफ्ते में आए 15 लाख से ज्यादा सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत 21वीं सदी में स्कूली शिक्षा विषय पर एक कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन दशकों में दुनिया का हर क्षेत्र बदल गया। हर व्यवस्था बदल गई। इन तीन दशकों में हमारे जीवन का शायद ही कोई पक्ष हो जो पहले जैसा हो। लेकिन वो मार्ग, जिस पर चलते हुए समाज भविष्य की तरफ बढ़ता है, हमारी शिक्षा व्यवस्था, वो अब भी पुराने ढें पर ही चल रही थी। प्रधानमंत्री ने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए देश भर से कुल 15 लाख से ज्यादा सुझाव आए हैं। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के बारे में देश भर के टीचर्स से श्माय जीओवीश् पर उनके सुझाव मांगे थे। एक सप्ताह के भीतर ही 15 लाख से ज्यादा सुझाव मिले हैं। ये सुझाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति को और ज्यादा प्रभावी तरीके से लागू करने में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के अभियान में प्रिंसिपल्स और शिक्षकों के पूरे उत्साह से हिस्सा लेने पर खुशी जताई। प्रधानमंत्री ने बच्चों में गणितीय और वैज्ञानिक सोच विकसित करने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा, बच्चों में मैथमेटिकल थिंकिंग और साइंटिफिक टेंपरामेंट विकसित हो, ये बहुत आवश्यक है। और मैथमेटिकल थिंकिंग का मतलब केवल यही नहीं है कि बच्चे मैथमेटिक्स (गणित) के प्रॉब्लम ही सॉल्व करें, बल्कि ये सोचने का एक तरीका है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी नए भारत की, नई उम्मीदों की, नई आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम है।

बैजल ने पालिका परिषद के एकीकृत कमांड और कन्ट्रोल केंद्र का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने कहा है कि एनडीएमसी के एकीकृत कमान डिजिटल युग में नागरिक सेवाओं की पहुंच और डिलीवरी की निगरानी और ट्रैकिंग में सुधार करने के लिए नई टेक्नोलॉजीज का एक स्मार्ट पैकेज है। श्री बैजल ने एनडीएमसी के एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन करने के बाद शुक्रवार को कहा कि यह नए डिजिटल युग में नागरिक सेवाओं की पहुंच और डिलीवरी की निगरानी और ट्रैकिंग में सुधार करने के लिए नई टेक्नोलॉजीज का एक स्मार्ट पैकेज है। उन्होंने सुझाव दिया कि नागरिकों के हित में निरन्तर उपयोगी उचित प्रदर्शन के लिए इन उच्च तकनीकी परिसंपत्तियों का रखरखाव नागरिक निकाय द्वारा सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पालिका परिषद अध्यक्ष को सुझाव दिया कि वे दिल्ली के अन्य नगर निकायों और एजेंसियों जैसे कि एमसीडी के प्रमुखों को इस तकनीकी विचार को दिल्ली के दूसरे हिस्से में लागू करने के लिए दिखाने को बुलाये। उपराज्यपाल ने नई दिल्ली के मंदिर मार्ग में शेरा मैदान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की उच्च मानक सुविधाओं से भी प्रभावित होकर कहा कि यह खेलकूद परिसर किसी भी नागरिक की फिटनेस के लिए ही केवल महत्वपूर्ण सुविधा नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ी बनाने के लिए भी एक उपयोगी सुविधा सिद्ध होगी। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र भी उपस्थित थे। इस अवसर पर आज ही उपराज्यपाल ने नई दिल्ली के मंदिर मार्ग पर पालिका परिषद द्वारा पुनर्विकसित शेरा मैदान खेलकूद परिसर का भी उद्घाटन किया।

रिया चक्रवर्ती जेल में ही रहेंगी

ड्रग्स केस में रिया की दूसरी जमानत याचिका खारिज

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में ड्रग्स एंगल सामने आने के बाद गिरफ्तार हुईं रिया चक्रवर्ती की जमानत खारिज कर दी गई। उन्हें अब 22 सितंबर तक जेल में रहना होगा। रिया के अलावा, शोविक चक्रवर्ती, अब्दुल बासित, जैद विलात्रा, दीपेश सावंत और सैमुअल मिरांडा की याचिका भी खारिज हो गई। फैसला सुनाते समय जज जेबी गुरव ने कहा कि यह गंभीर अपराध है और इसकी जांच की जरूरत है। कोर्ट के फैसले पर रिया के वकील सतीश मानशिंदे ने कहा कि ऑर्डर की कॉपी मिलने के बाद हम आगे के कदम उठाएंगे। हम अगले हफ्ते हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। इससे पहले, मुंबई की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गुरुवार को फैसला रिजर्व रख लिया था। 8 सितंबर को मजिस्ट्रेट कोर्ट में जमानत अर्जी खारिज होने के बाद रिया ने मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में अपील की थी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने रिया को 8 सितंबर को गिरफ्तार किया था। उधर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रिया के खिलाफ नया केस दर्ज कर सकता है। ड्रग्स केस में गिरफ्तार कैजन को पहले ही जमानत मिल चुकी है। एनसीबी ने उसकी जमानत रद्द करने के लिए कोर्ट में अर्जी दी है। जांच एजेंसी का कहना है कि कैजन सभी गिरफ्तार आरोपियों के कॉन्टैक्ट में था। सुशांत केस में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रहा ईडी नया मामला दर्ज कर सकता है। ईडी के एक अफसर का कहना है, नया केस दर्ज करने के लिए कानूनी सलाह ले रहे हैं। पहले हमने सुशांत के पिता केके सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज किया था, जो सुशांत के बैंक खाते से पैसे निकालने से जुड़ा था। जबकि, नया मामला एनसीबी की जांच के नतीजों के आधार पर होगा, क्योंकि ड्रग्स मामले में कई गिरफ्तारियां हुई हैं।

आरएसएस की दो दिवसीय बैठक का दूसरा दिन, सामाजिक मुद्दों पर चर्चा

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के महानगर कानपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की दो दिवसीय बैठक में आज सामाजिक मुद्दों पर चर्चा चल रही है। संघ के सूत्रों के मुताबिक आज बैठक में प्रमुख मोहन भागवत भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तार से चर्चा कर सकते हैं। इन योजनाओं का लाभ किन-किन वर्ग को मिल रहा है इसकी भी जानकारी लेंगे। योजनाओं में क्या समस्याएं आ रही हैं इस पर भी पदाधिकारियों व स्वयंसवकों से चर्चा हो सकती है। साथ ही पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, गोसेवा, ग्राम विकास और सामाजिक समरसता पर मंथन और विचार विमर्श होगा।संघ के सूत्रों ने कहा कि पहले दिन की बैठक में संघ प्रमुख ने लॉकडाउन के दौरान कानपुर में किये गये सेवाकार्य की जानकारी होने पर सरसंघचालक ने सेवा कार्यों के दृष्टि से कानपुर के कार्य की सराहना की थी और कहा था की संघ के अतिरिक्त समाज में कई सामाजिक संगठनों मठ, मंदिरों, गुरुद्वारों ने सेवा कार्य किए हैं।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले में पूर्व सीएजी का भी नाम, सीबीआई ने मांगी हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने 3,727 करोड़ रुपए के अगस्ता वैस्टलेंड हेलीकॉप्टर कथित घोटाले में पूर्व रक्षा सचिव और सीएजी शशि कांत शर्मा, पूर्वी एयर वाइस मार्शल जसबीर सिंह पानेसर और वायुसेना के तीन अन्य अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन चलाने के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मांगी है। इस मामले से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी है। जिस समय 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टर्स के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर विचार किया गया और जब सौदे के लिए ऑपरेशनल रिक्वाइरमेंट (ओआर) तैयार किया गया, शर्मा रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (वायु) थे। यह ठेका फरवरी 2010 में एंगलो इटैलियन कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड को दिया गया था। सौदे में कथित तौर पर नियमों के उल्लंघन और रिश्वत के आरोपों को लेकर यह यूपीए सरकार के सबसे विवादित सौदों में से एक रहा। शर्मा बाद में जुलाई 2011 से मई 2013 तक रक्षा सचिव रहे और फिर

2017 तक सीएजी रहे। यह पहली बार है जब उनका नाम इस केस में जुड़ा है। इस मामले में इटैलियन कोर्ट के फैसले में कई बार जेएस एयर शब्द का जिक्र आया है, जिसे जॉइंट सेक्रेटरी (एयर) माना जा रहा है। ब्रिटिश बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल ने अपने नोट में इसे कई बार लिखा है, जिसने कथित तौर पर भारत में नेताओं और अधिकारियों के लिए रिश्वत का इंतजाम किया था।

एक सीबीआई अधिकारी ने अभियोजन स्वीकृति को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, जेएस एयर शर्मा रक्षा मंत्रालय में अहम बैठकों का हिस्सा थे। उन्होंने अन्य कोई ब्योरा देने से इनकार किया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि रक्षा मंत्रालय से लिखित में अपील की गई है। हिन्दुस्तान टाइम्स ने दस्तावेजों को देखा है। केस में शर्मा की भूमिका को लेकर अभी कुछ स्पष्ट नहीं है।

मप्र में ज्यादा बारिश से साढ़े 9 हजार करोड़ का नुकसानः चौहान

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में ज्यादा बारिश और बाढ़ की वजह से शुरुआती आकलन के मुताबिक लगभग 9 हजार 500 करोड़ की नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री चौहान ने शुक्रवार को निवास पर, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का अवलोकन और अध्ययन करने आए केन्द्रीय अध्ययन दल के सदस्यों से चर्चा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में बीते पखवाड़े अतिवर्षा से हुई हानि की विस्तृत जानकारी केन्द्र सरकार को दी गई है। उन्होंने बताया कि, प्रदेश में फसलें, मकान, पशु हानि के साथ सड़कों की क्षति के कारण व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं। इस स्थिति में लोगों को उनके घरों से रेस्क्यू कर राहत शिविरों में पहुंचाया गया। जनहानि न हो इसके प्रयास किए गए और इसमें सफलता भी मिली। प्रारंभिक तौर पर जो जानकारी सामने आई है।

चौकी प्रभारी करा रहे है कब्जा तो थानेदार बना रहे है समझौते का दबाब

■ शिकायत करने पर पीड़ितों के साथ पचहत्तर साल की वृद्धा पर भी दर्ज कर दिया मुकदम
■ कोर्ट के आदेशों को अपने ठेगें पर रखकर चौकी प्रभारी करवा रहे जमीनों पर कब्जे

लखनऊ, संवाददाता। पीड़ितों को न्याय दिलाने के बजाय पारा पुलिस गरीबों की जमीनों पर अवैध कब्जे करवा रही है। मामला पारा थाना के अर्न्तगत पूर्वीदीनखेड़ा का है। जहां भवन संख्या 545/क/3/009अ जो पचहत्तर वर्षीय वृद्धा हीरा देवी के नाम पर है। जिसकी दो हजार एक सौ वर्गफीट जमीन से नौ सौ वर्गफीट जमीन पर दबंग मलखान सिंह ने मुन्ना लाल कनौजिया से मिलकर कब्जा कर बाउन्ड्री और गेट लगवा दिया है। जो डाक्टर खेड़ा चौकी प्रभारी रामबाबू की मिलीभगत से हुआ है। पीड़िता ने अपने बेटों और पोतो के साथ सीओ काकोरी और पारा थाना प्रभारी से शिकायत की तो कोई सुनवाई नहीं हुयी। उल्टे

थानाध्यक्ष पारा दबंगों से समझौता कर लेने का दबाब बना रहे है। उनके कोई भी निमार्ण कार्य न करने के बाद भी दबंगों ने चौकी प्रभारी की शह पर रातों-रात निर्माण कार्य करते ह्ये नौ सौ वर्ग फीट की जमीन पर कब्जा करते हुये गेट लगवा दिया। साथ ही पीड़िता की बनी हुयी दुकान का ताला तोड़कर हजारों का माल भी गायब कर दिया। इस बाबत् पीड़ितों ने सभी जगह न्याय की गुहार लगायी पर कही कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पुलिस न्याय के बजाय दबंगों का ही साथ दे रही है। वृद्धा हीरा देवी के अनुसार हम लोग अपने ही मकान पर न जा सके इसलिये पुलिस ने मलखान सिंह से मिलकर मेरे सहित चार लोगों पर धारा-354, आदि अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है। ताकि हम लोग अपने ही मकान तक न जा सके। पीड़िता हीरा देवी के अनुसार यह जमीन उन्होने 1998 में खरीदी थी बाद में मुन्ना लाल कनौजिया से विवाद के चलते उस पर सिविल कोर्ट में मुकदमा भी चल रहा है। जिस पर माननीय न्यायालय ने आदेश दिया था कि जब तक मुकदमा चल रहा है किसी भी प्रकार का कोई निर्माण नहीं होगा। स्थिति यथावत् रखी जायेगी। परन्तु थाना और चौकी प्रभारी ने मिलकर जमीन पर निर्माण कार्य और अवैध कब्जा भी करवा दिया। जो न्यायालय के आदेशों की अवमानना है। पीडिता की बहू सविता का आरोप है कि दबंग मलखान सिंह का पुत्र शिशुपाल सिंह एक आईपीएस अधिकारी बन कर उनके घर आया और धमकियां देकर गया। कहा जितनी जमीन मिल रही है उस पर समझौता कर लो। वरना हमारा कुछ नही बिगड़ेगा तुम्हारा सब बिगड़ जायेगा। पीड़िता अपने परिवार के साथ सभी जगह न्याय की गुहार लगा रही है परन्तु पारा पुलिस न्यायालय के आदेशों को ठेगें पर रखकर दबंगों का साथ दे रही है।

गीता गाँधी किंगडन को उप-मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, लखनऊ की प्रेसीडेन्ट एवं शिक्षाविद् प्रो. गीता गाँधी किंगडन को कोरोना काल में छात्रों की शिक्षा हेतु ऑनलाइन कक्षाओं के अनवरत संचालन एवं कोरोना पीड़ितों की मदद हेतु प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने सम्मानित किया। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के कैम्प कार्यालय में आयोजित एक समारोह में प्रो. किंगडन को कोरोना महामारी के इस कठिन दौर में छात्रों की शिक्षा को अनवरत् जारी रखने, शिक्षा में उत्कृष्टता के स्तर को बनाये रखने एवं कोरोना पीड़ितों की मदद हेतु 'एजूकेशन वारियर्स' के तौर पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, माध्यमिक शिक्षा, आराधना शुक्ला, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय एवं सी.बी.एस.ई. के पूर्व चेयरमैन अशोक गांगुली समेत कई विद्वजन उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित

लखनऊ, संवाददाता। प्रतिवर्ष की भाँति शिकागो की धर्मसंसद मे स्वामी विवेकानंद के हिंदुत्व एवं भारतीय दर्शन पर दिये गये प्रथम भाषण की स्मृति में झण्डेवाला पार्क (अमीनाबाद) में काबीना मंत्री बृजेश पाठक ,पूर्व नेता विधान परिषद विन्ध्यवासिनी कुमार सहित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया।इस अवसर पर बृजेश पाठक ने स्वामी विवेकानंद जी को याद करते हुये उनके जीवन चारित्र को प्रत्येक मानव को स्वयं मे अंगीकार करने की बात कही। कार्यक्रम के आयोजक विन्ध्यवासिनी कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने जब पुरे विश्व मे विदेशी संस्कृति का बोलबाला था ,उस समय न केवल पुनह सनातन संस्कृति के दर्शन से विश्व को परिचित कराया ,वरन् पुरे विश्व मे हमारी प्राचीनतम सनातन संस्कृति ,वेद ,गीता इनसे ही सम्पूर्ण मानव जाति एवं विश्व का कल्याण होगा ,इस बात की स्वीकार्यता उस सभा मे आए दुनिया भर के विभिन्न मतावलंबीयो को करायी। इस प्रकार स्वामी विवेकानंद जी ने हास हो रही सनातन संस्कृति का परचम पूरी दुनिया मे पुर्नस्थापित करने का काम किया।कार्यक्रम मे सेल टैक्स बार के पूर्व अध्यक्ष परितोस शर्मा, जयति श्रीवास्तव, वरिष्ठ हाईकोर्ट अधिवक्ता गिरीश चंद्र सिन्हा, किशन लोधी,मनोज श्रीवास्तव,राजीव बाजपेयी,पार्षद रजनीश गुप्ता,गिरीश गुप्ता,पूर्व नगर महामंत्री रमेश तुपकी, चेतन बिश्ट,अमिताब चक्रवर्ती,अधिवक्ता विकर्ष श्रीवास्तव, मयंक सिन्हा,कमल ज्योति के सम्पादक राज कुमार जी,अंकुर जोली,शैलू सोनकर, स्नातक प्रत्याशी अवनीश सिंह,मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र राजपूत, अमित,पंकज भार्गव, हनुमान मिश्र सहित उपस्थित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया।

भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आतंक व पाखण्ड मचाने वालों के खिलाफ लठ मार्च

लखनऊ, संवाददाता। आज अपने बयान में राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने कहा कि आज भाजपा के विरूद्ध जहाँ भी सरकारें हैं उनको उखाड़ फेंकने का प्रयास किया जा रहा है और खामियों की झड़ी लगायी जा रही है। मगर भाजपा की सरकार उ0प्र0, हरियाणा, असम आदि जहाँ भी हैं आर.एस.एस. का गढ़ और गुण्डों का बोलबाला सावारकर व गोलवलकर के विचारों को बढ़ाने के अलावा भाजपा के एजेन्डे में दूर तक कोई विकास नहीं है। अगर महाराष्ट्र सरकार भष्टाचारी सरकार है तो उत्तर प्रदेश की सरकार चार कदम उससे आगे हैं। महाराष्ट्र सरकार उखाड़ फेंकने के लिए तो बड़े-बड़े वरिष्ठ नेता पहुँच रहे हैं। उत्तर प्रदेश में वरिष्ठ नेताओं का पूरी तरह से सोपड़ा साफहै और बाबा के आदेशानुसार पुलिस प्रशासन काम कर रहा है संविधान के अनुसार नहीं। यह भी हमें समझने की जरूरत है। अंत में मुहम्मद आफाक ने कहा कि सितम्बर 2020 के आखिरी रविवार को बार्लिंग्टन चौराहे से गांधी प्रतिमा तक देश व संविधान की रक्षा के लिए लठ मार्च निकाला जायेगा और भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आतंक व पाखण्ड मचाने वालों के खिलाफज्ञापन दिया जायेगा।

पहले घोटाला दबाना फिर सख्ती का नाटक यूपी का अजीब दास्तां हैः प्रियंका गांधी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने हर बड़े मुद्दों पर सरकार को समय-समय पर घेरती हैं। उन्होंने देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामलों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर निशाना साधा है। प्रियंका गांधी ने शुक्रवार ट्वीट किया है। न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक उप्र में कोरोना किट खरीदी में घोटाला हुआ है। क्या पंचायत चुनावों के साल में जिले-जिले वसूली केंद्र बना दिए गए हैं,प्रियंका ने ट्वीट करके कहा है कि ÷न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक उप्र में कोरोना किट खरीदी में घोटाला हुआ है। क्या पंचायत चुनावों के साल में जिले-जिले वसूली केंद्र बना दिए गए हैं? पीएपी किट घोटाला, 69 के घोटाला, बिजली घोटाला। पहले घोटाला, फिर सख्ती का नाटक और फिर घोटाला दबाना3अजीब दास्तां है ये, कहां शुरू कहां खत्म।

वनों की रक्षा में अपने जीवन की आहूति देने वाले शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित

लखनऊ, संवाददाता। वन शहीद दिवस 11 सितम्बर के अवसर पर वन विभाग मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक पर वनों की रक्षा में अपने जीवन की आहूति देने वाले अमर शहीदों को स्मरण करते हुए हेड ऑफ फारेस्ट फोर्स,प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष डा0 राजीव कुमार गर्ग, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, सुनील पाण्डेय, प्रधान मख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण एवं कार्ययोजना, अजय कुमार सहित समस्त वनाधिकारीयों एवं कर्मचारियों द्वारा वन शहीदो को पुष्पांजलि अर्पित की गयी। भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिवर्ष 11 सितम्बर को 'वन शहीद दिवस' के रूप में वन शहीदों को स्मरण करती है। 11 सितम्बर 1730 ई0 में जोधपुर (राजस्थान) के खेजड़ली ग्राम में वनों एवं वृक्षों की रक्षा करते हुए 360 महिलाओं एवं पुरूषों ने अपनी जान गंवाई थी। इस घटना के कारण ही यह दिवस वन शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। पृथ्वी पर फैली हुई विशाल वन सम्पदा की रखवाली, विकास, पर्यावरण की सुरक्षा का मुख्य दायित्व वन विभाग का है। वनकर्मी अपने परिवार से दूर घने जंगलों में रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। जिसके कारण उनको अनेकों प्राकृतिक तथा वन-माफियाओं और शिकारियों से सामना करने में अपने प्राणों की आहूति तक देनी पड़ती हैं। वनकर्मी पौधों एवं वन्य जीवों का अपने पुत्रों के समान समझता है एवं इसकी रक्षा करने में अपनी जान की भी परवाह नहीं करता। वर्तमान समय में जबकि वन माफिया आधुनिक हथियार एवं सूचना-तन्त्र से लैस रहते हैं, परन्तु वनकर्मी अपने दायित्वों के परिपालन हेतु वन सम्पदा को बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ता है।

प्रदेश में भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री ठोक दो की नीति पर चल रहेः अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री ठोक दो की नीति पर चल रहे हैं तो अफसरशाही के बीच लूट लो की प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। सत्तादल के विधायक अपनी ही सरकार के पोल खोल अभियान में लग गए हैं। लहूलुहान यूपी पर मुख्यमंत्री जी का 'ट्रांसफर मरहम' धोखा है और भ्रष्टाचार पर जीरों टालरेंस का उनका दावा जनता को सिर्फ बहकाने के लिए है। एक जिले में अपराध रोकने में विफल कप्तान दूसरे जिले में जाकर कैसे बदल जाएगा और सब कुछ नियंत्रित कर लेगा? जब राज्य के सचिवालय से ही भ्रष्टाचार और ठगी का काम चलता हो तो फिर भाजपा सरकार का खुद बड़ा जीरों रिजल्ट आना ही स्वाभाविक है। कानपुर उद्योग नगरी से जरायमनगरी में बदलता जा रहा

है। अभी संजीत यादव की अपहरण के बाद हत्या लोगों को भूली नहीं थी कि सुनील यादव का 4 सितम्बर 2020 को अपहरण हो गया। विधूना में उसकी लाश बरामद हुई। पुलिस उसका सुराग नहीं लगा सकी। सत्ता संरक्षित अपराध श्रंखला में यह भी एक कड़ी है। कुशीनगर में एक शिक्षक को गोली मार दी गई तो मेरठ-बागपत में 8 संदिग्ध मौते हुई। बहराइच में एक सिपाही की हत्या हो गई। औरैया में सुबह गल्ला व्यापारी की हत्या हुई। मेरठ में एक व्यापारी की लूट के बाद गोली मारकर हत्या की गई। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में युवक की मौत हुई। महोबा में घायल ऋसर व्यापारी इन्द्रकांत त्रिपाठी की भतीजी आईपीएस मणिलाल पाटीदार से परिवार की जान को खतरा बता रही है। सरकार हत्या, लूट के मामलों में संवेदनहीनता ही दिखाती रही है।

मातृ नवमी पर सार्वजनिक भोज करवाया गया

लखनऊ, संवाददाता। श्राद्धपक्ष की मातृनवमी पर सुहागिन माताओं को नमन करते हुए उनके लिए तर्पण किया गया। उस क्रम में शहर में पहली बार सृजन संस्था की पहल पर बुकिंग के आधार पर सार्वजनिक भोज जरूरतमंदों तक निरूशुल्क पहुंचाया गया। परमेश गर्ग ने अपनी माताजी स्वर्गीय जोगमाया देवी की पुण्य स्मृति में शुक्रवार को मातृनवमी पर पूड़ी-छोले और हलवा का वितरण जरूरतमंदों में करवाया। इसके साथ ही मनु मनीष की ओर से सूखे राशन वितरण अभियान के तहत आटे के पैकेट और मास्क का भी वितरित किये गए।सृजन फाउंडेशन की ओर से संचालित स्नेहधरा वृद्धाश्रम के माध्यम से संचालित कोई न सोये भूखे पेट अभियान के अंतर्गत सृजन सेवा रथ अम्मा बब्बा की रसोई के माध्यम से निराश्रित जनों के लिए निःशुल्क और अन्य लोगों के लिए श्रम सेवा के लिए 10 रुपये सहायतार्थ राशि में चावल-छोले, राजमा, कढ़ी, हलवा, बूंदी, खीर, सलाद उपलब्ध कराया जा रहा है। यह सेवा इंजीनियरिंग चौराहे पर दैनिक क्रम में सुबह 8 से 11 बजे तक संचालित की जा रही है। इस अभियान में पूरे श्राद्ध पक्ष की बुकिंग हाउसफुल्ल हों चुकी है। इसके साथ ही जन्मदिन पर भी बुकिंग के आधार पर निशुल्क भोजन वितरण की सेवा दी जा रही है। सृजन संस्था के अध्यक्ष अमित सक्सेना ने बताया कि स्नेहधरा वृद्धाश्रम के निदेशक अरुण प्रताप सिंह, सह-निदेशक डॉ.अर्चना सक्सेना, सृजन सेवारथ के संयोजक सुमित कुमार भौमिक, स्नेहधरा वृद्धाश्रम के प्रबंधक विजय कुमार गुप्ता सहित अन्य सेवादार इस सात्विक भोजन वितरण अभियान में सक्रीय भूमिका अदा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सृजन फाउंडेशन की फेसबुक के माध्यम से लोग इस महा अभियान से जुड़ रहे हैं।

डालीगंज से सीतापुर-लखमीपुर तक रेल विद्युतीकरण कार्यो का निरीक्षण

लखनऊ, संवाददाता। आज प्रमुख परियोजना निदेशक, रेल विकास निगम दिनेश चंद्र पांडेय ने मुख्य परियोजना अधिकारी रेल विकास निगम, लखनऊ संजीव सहगल की उपस्थिति में डालीगंज से सीतापुर-लखमीपुर होते हुवे फरधान रेलवे स्टेशन तक चल रहे, रेल विद्युतीकरण कार्यो का टावर वैगन द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण प्रातःकाल 9.30 बजे डॉलीगंज रेलवे स्टेशन से प्रारंभ हुवा व सीतापुर 11 बजे पहुँचा उसके पश्चात वर्तमान समय में सीतापुर-लखमीपुर रेल खंड पर चल रहे रेल विद्युतीकरण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया गया जिसमें झरेकापुर ध्सब सेक्शनिंग पोस्ट, ओयल, सेक्शनिंग पोस्ट, हरगांव स्टेशन ,लखमीपुर रेलवे स्टेशन, फरधान ट्रेक्शन सब स्टेशन व फरधान रेलवे स्टेशन का सघनता से निरीक्षण कर चल रहे कार्यों की समीक्षा की व सीतापुर से लखमीपुर रेल विद्युतीकरण कार्य का रेल संरक्षा आयुक्त निरीक्षण इसी वर्ष नवंबर माह में कराने हेतु मुख्य परियोजना अधिकारी, रेल विकास निगम, लखनऊ संजीव सहगल एवं कार्यदायी संस्था कपलतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के उपाध्यक्ष इंद्रजीत कुमार को आदेशित किया। फरधान रेलवे स्टेशन से 12.45 पर वापसी डॉलीगंज रेलवे स्टेशन के लिए प्रस्थान किया व खैराबाद, ट्रेक्शन सब स्टेशन का सघन निरीक्षण किया व व्याप्त कमियों को शीघ्र निस्तारित कर समय से कराने हेतु सम्बन्धित संस्था को आदेशित किया। इसके पश्चात अपराहन 2.15 बजे खैराबाद से डॉलीगंज के लिए टावर वैगन प्रस्थान कर गया। आज के इस निरीक्षण में अनूप कुमार,प्रोजेक्ट मैनजर, पीएमसी कंसल्टेंसी वायन्ट्स सलूशन, योगेश मिश्रा, वरिष्ठ प्रबंधक, रेल विकास निगम, लखनऊ, जगन्नाथ मिश्रा, प्रबंधक, रेल विकास निगम, सुभाष त्रिपाठी,डिप्टी मैनेजर, श्रीनिवास जेना, डिप्टी मैनेजर, अभयकांत झा, व यातायात निरीक्षक अरुण सेन गुप्ता उपस्थित रहे।

अभी ऑनलाइन ट्रैक पर ही दौड़ेंगे स्कूल सरकार के आदेश का इंतजार

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना संक्रमण से उपजे हालात को देखते हुए फिलहाल स्कूल/ शिक्षण संस्थानफिजिकल क्लास शुरू करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। स्कूलों शिक्षण संस्थानों को सरकार से स्पष्ट गाइडलाइन का इंतजार है। ऐसे में स्कूल अभी ऑनलाइन क्लास ही जारी रखने के पक्ष में है। रोजाना बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित होने के मामले आ रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थियों के नजरिए से कॉलेज य स्कूल खोलना बिल्कुल भी सही नहीं है। भीड़ इस बीमारी को बढ़ाने का सबसे बड़ा माध्यम है। कोरोना संक्रमण के बीच नए सत्र की पढ़ाई को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी तैयार तेज कर दी है। इधर स्नातक में प्रवेश के लिए प्रक्रिया चालू होने और अंतिम वर्ष की परीक्षाएं चालू होने के साथ ही नए सत्र के पठन पाठन को लेकर भी प्लानिंग जारी है। कुलपति प्रो आलोक राय ने बताया कि 15 सितंबर से नए सत्र की ऑनलाइन क्लास शुरू कर दी जाएंगी। अगर हालात सुधरे तो सरकार स्कूलों में छात्रों के आने को मंजूरी दे देगी। स्कूल संचालको की मानें तो कक्षा 9 से 12 के ऐसे छात्र जो अपने शिक्षकों से कुछ पूछना चाहते हैं, वह अपने अभिभावकों की अनुमति के साथ स्कूल आ सकते हैं। 21 सितंबर से स्कूलों में 50त्न टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ बुलाने पर भी विचार किया है। इन सब के मद्देनजर शहर के स्कूलों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। स्कूल प्रबंधन अपने अपने स्तर पर बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम करने के दावे कर रहे हैं। तैयारियों पर विशेष रिपोर्ट। स्कूल संचालकों की मानें तो अधिकतम 50त्न बच्चों को एक साथ स्कूल बुलाया जाएगा।

आईएएस अनुराग केस दुबारा विवेचना शुरू, समान विवेचक पर ऐतराज

लखनऊ, संवाददाता। विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, सीबीआई लखनऊ द्वारा सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट खारिज किये जाने के बाद सीबीआई द्वारा कर्नाटक कैडर के आईएएस अफसर अनुराग तिवारी की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के संबंध में उनके भाई मयंक तिवारी द्वारा दायर मुकदमे की दुबारा विवेचना शुरू कर दी गयी हैं,पूरन कुमार, इंस्पेक्टर, सीबीआई-प्प, नयी दिल्ली ने मयंक तिवारी को धारा 160 सीआरपीसी में नोटिस देते हुए बताया कि अब केस की विवेचना उनके द्वारा की जा रही है तथा श्री मयंक इस केस के संबंध में सवालों के जवाब देने के लिए 11 सितम्बर 2020 को उनके समक्ष उपस्थित होवें, मयंक की अधिवक्ता डॉ नूतन ठाकुर ने इसपर सीबीआई निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला को पत्र भेज कर पूरन कुमार को विवेचक बनाए जाने पर ऐतराज किया है. उन्होंने कहा कि पहले भी पूरन कुमार ही इस केस के विवेचक थे।

योगी सरकार के एक और मंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार के कारागार एवं लोक सेवा प्रबंधन राज्य मंत्री जय कुमार सिंह जैकी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। संक्रमण की पुष्टि के बाद मंत्री ने खुद को घर में पृथक करने की जानकारी दी है। मंत्री ने शुक्रवार को ट्वीट कर

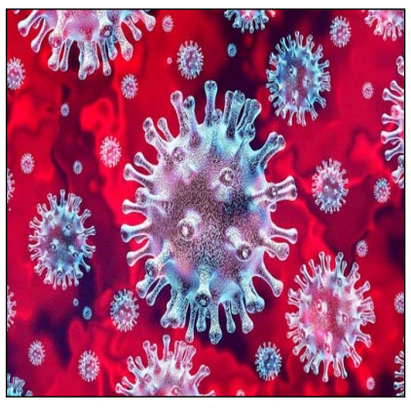

कहा कि कोरोना के प्रारंभिक लक्षण दिखने पर नौ सितंबर को मैंने अपनी जांच करायी, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। चिकित्सक के परामर्श के अनुसार मैंने स्वयं को घर में पृथक कर लिया है। उन्होंने अपने दूसरे ट्वीट में कहा मेरा निवेदन है कि पिछले एक सप्ताह के अंदर जो भी लोग मेरे संपर्क में आये है, वे स्वंय को पृथक कर लें एवं अपनी आवश्यकतानुसार जांच करा लें। गौरतलब है कि अब तक प्रदेश सरकार के एक दर्जन से अधिक मंत्री कोविड 19 संक्रमित हो चुके है। इनमें से दो मंत्रियों कमल रानी वरूण और चेतन चौहान की मृत्यु भी हो चुकी है।

योगी ने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को पूरी गुणवत्ता के साथ सम्पन्न करने पर बल दिया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को पूरी गुणवत्ता के साथ सम्पन्न करने पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने में इस कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का कार्य सुव्यवस्थित ढंग से किया जाए। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य तथा अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज कोविड-19 के दृष्टिगत लखनऊ के जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, नगर आयुक्त आदि के साथ बैठक कर इसके प्रसार को

रोकने के लिए प्रभावी कार्य योजना तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोविड-19 से बचाव और उपचार के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। गुरुवार को प्रदेश में 01 लाख 50 हजार से अधिक कोविड-19 के टेस्ट का संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि टेस्टिंग कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में प्रत्येक दिन 01 लाख 50 हजार टेस्ट हों। उन्होंने कहा कि सरकारी लैब्स में आर0टी0पी0सी0आर0 के माध्यम से प्रतिदिन की जा रही 50 हजार से अधिक जांच यह दर्शाती है कि प्रदेश सरकार कोविड-19 की लड़ाई में पूरी तरह सक्रिय है। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि कोविड अस्पतालों में चिकित्सकगण नियमित अन्तराल पर राउण्ड लेते हुए मरीजों को चेक करें। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस सेवा को पूरी सक्रियता के साथ संचालित किया जाए। जनपद कानपुर नगर के कोविड अस्पतालों में बेड्स की संख्या में वृद्धि की जाए। जनपद प्रयागराज के कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का उपयोग कोविड-19 के सर्विलांस कार्य में किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरणों सहित उद्यमियों और निवेशकों से सम्बन्धित समस्त विभागों एवं सरकारी संस्थाओं के अधिकारी अपने कार्यालय में नियमित बैठकर उद्यमियों, निवेशकों तथा उद्योगपतियों से संवाद बनाएं और उनकी समस्याओं का निराकरण करें। उन्होंने अपर मुख्य सचिव कृषि को मण्डी शुल्क की दर को कम करने के लिए कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव पंचायती राज एवं ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैंक पीओ से पीसीएस बने क्षितिज बढ़ाया लखनऊ का मान

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग ने पीसीएस-2018 के अंतिम रिजल्ट में राजधानी के मेधावी छाए रहे। शहर के इंदिरा नगर निवासी क्षितिज द्विवेदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 वीं रैंक हासिल की। मौजूदा समय में एसबीआइ दिल्ली में बतौर प्रोबेशनरी ऑफिसर कार्यरत क्षितिज बताते हैं कि उन्हें दूसरे प्रयास में यह सफलता हासिल हुई। वर्ष 2017 में असफल होने के बाद क्षितिज निराश न हुए और 2018 की परीक्षा में उनकी मेहनत रंग लाई। पीसीएस बन चुके क्षितिज का जन्म स्थान गोंडा स्थित तरबगंज है। क्षितिज बताते हैं कि बैंक में चयन होने के बावजूद उनका लक्ष्य इस परीक्षा को क्वालीफाई करना था, यही कारण रहा कि बैंक में आने के बाद उन्होंने ज्वॉनिंग के लिए एक्सटेंशन लिया। 2018 की

पीसीएस की लिखित परीक्षा के बाद जनवरी 2020 में उन्होंने बैंक ज्वाइन किया। उनके पिता ओम प्रकाश द्विवेदी वित्त विभाग में विशेष सचिव हैं और मां गृहणी हैं। क्षितिज कहते हैं मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। उनका मानना है कि दृढ़ संकल्प और मजबूत इच्छाशक्ति हो तो किसी भी सफलता को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई सीएमएस गोमती नगर से की। मूल रूप से उन्नाव और बीते कई सालों से शहर के गोमती नगर निवासी डॉक्टर सचिन वर्मा ने पीसीएस 2018 में 99 रैंक हासिल की। सचिन के पिता स्वर्गीय चंद्रपाल वर्मा भी डॉक्टर थे।

उनकी मां सुनीता वर्मा गृहणी हैं। सचिन एमबीबीएस करने के बाद सरकारी चिकित्सक के रूप में चयनित हुए। मौजूदा समय में वे फतेहपुर जनपद में तैनात हैं। सचिन का कहना है कि हर किसी को अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी और गंभीरता पूर्वक निभाना चाहिए। बतौर चिकित्सक अभी तक उन्होंने अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया, अब आगे पीसीएस बनकर भ्रष्टाचार को खत्म करेंगे।

नैनी जेल में दो बंदी आपस में भिड़े एक बंदी गंभीर रूप से घायल, एसआरएन रेफर

नैनी /प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल में दो बंदियों के बीच कई दिनों से चली रही तनातनी ने शुक्रवार को उग्र रूप ले लिया। दोनों पक्ष लामबंद होकर भिड़ गए, जिससे एक बंदी गंभीर रूप से घायल हो गया। जेल वार्डन की ओर से घटना के बाबत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

जेल के सर्किल संख्या पांच में बंद घूरपुर थाना क्षेत्र के दानपुर गांव निवासी अरविंद पासी पुत्र जगदेव और उसी सर्किल में कौंधियारा थाना क्षेत्र के शांतिनगर निवासी ज्ञान सिंह पुत्र स्व. राम बहादुर सिंह के बीच पिछले कई दिनों से वर्चस्व को लेकर खुन्नस चल रही थी। गुरुवार दोपहर दोनों आपस में भिड़ गए। एक दूसरे को लात घूंसे से पीटने लगे। उसी दौरान अरविंद पासी ने शौचालय की ईंट उखाड़कर ज्ञान सिंह के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

बंदी रक्षकों ने किसी तरह बंदियों को उनके बैरक में भेजा। घायल ज्ञान सिंह को जेल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने उसे एस आर एन रेफर कर दिया। वार्डन कंचन यादव की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही। जेल प्रशासन का कहना है कि शुक्रवार दोपहर ज्ञान सिंह शौचालय में बैठा था उसी दौरान अरविंद पासी ने ईंट उखाड़कर उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

अज्ञात कारणों से युवती ने लगाई फांसी मचा कोहराम

प्रयागराज। इलाकाई थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम सभा कोटहा में एक युवती अज्ञात कारणों से घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मिली सूचना के अनुसार सुल्तान अहमद पुत्री रुबीना (22) पुत्री सुल्तान अहमद ने शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे जब घर के लोग नमाज पढ़ने गए थे।थोड़ी देर बाद दरवाजा बंद कर मकान के एंगल से फांसी लगा ली। परिजनों ने बताया कि रुबीना की शादी ढाई साल पहले कोल्हुआ अमिलिया कला निवासी मसीउल्ला पुत्र इमरान अली के साथ तय हुआ था। अगले हफ्ते रुबीना की बारात आनी थी। बताया जाता है कि मसी उल्ला ने सुल्तान अहमद को फोन करके अपने यहां बुलाया और शादी करने से इनकार कर दिया। जब रुबीना को यह पता चला कि हमारी शादी टूट गई है तो वह सदमा बर्दाश्त न कर सकी। सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी मेजारोड प्रीत कुमार पांडे शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

पीएम केयर फंड पर टिप्पड़ी के खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त

शिक्षक नेता की याचिका पर उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने दिया आदेश

प्रयागराज। सोशल मीडिया पर पीएम और सीएम केयर फण्ड पर टिप्पड़ी करने पर शिक्षक नेता के खिलाफ दर्ज एफआईआर को उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने निरस्त कर दिया। यह आदेश शिक्षक नेता नंद लाल यादव की याचिका पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति अनिल कुमार ढ्ढ्ढ ने दिया। याची की ओर से अधिवक्ता सुनील यादव ने बहस की। मामला एटा जिले के मिरहची थाना क्षेत्र में स्थित इंटर कालेज के प्रधानाचार्य व शिक्षक नेता नंद लाल यादव द्वारा पीएम केयर फण्ड की पारदर्शिता को लेकर फेसबुक पर टिप्पड़ी का है। जिसका संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा के निर्देश पर मिरहची थाने की पुलिस ने आई टी एक्ट की धारा 66, के तहत एफआईआर दर्ज की थी। जिसके खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय की खण्डपीठ ने नाराजगी जाहिर करते हुए एफआईआर को सुप्रीम कोर्ट की अवमानना मानते हुए विवेचना अधिकारी को मय रिकॉर्ड के तलब किया था। याची शिक्षक नेता के अधिवक्ता सुनील यादव का कहना था कि आईटी एक्ट की धारा 66 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लंघन है और श्रेया सिंघल के चर्चित केस में सुप्रीम कोर्ट ने धारा 66 को गैरकानूनी घोषित कर दिया था बावजूद इसके उत्तर प्रदेश की पुलिस निरस्त धारा 66 के तहत मुकदमा दर्ज कर आम लोगो को प्रताड़ित कर रही है।

पीसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर रजिस्टार पोस्ट की हासिल

रामनगर/बाराबंकी। रामनगर क्षेत्र के ग्राम रेलीबाजार मजरे लोहटी जई की बेटी ने इलाहाबाद में रहकर कठिन पढ़ाई करके पीसीएस 2018 की परीक्षा उत्तीर्ण कर सब रजिस्ट्रार की पोस्ट हासिल की है। ये शुभ समाचार गांव में पहुंचते ही चारो ओर लोगों में खुशी का संचार हो गया।इस मौके पर ग्रामीणों द्वारा की गई आतिशबाजी से दिन में ही दीपावली के त्योहार सा माहौल बन गया।विदित हो कि बहरामघाट डाकघर से पोस्टमैन के पद से सेवानिवृत्त स्व.शिवचरण रावत व निर्मला देवी की मंझली पुत्री अनीता ने अपने परिश्रम के बल पर अपने व परिजनों के सपनों को साकार कर ग्रामसभा का नाम रौशन किया है। गायत्री बाल शिक्षा निकेतन विद्यालय गणेशपुर के प्रबंधक अवधेश कुमार शुक्ल व प्रधानाचार्या बीना शुक्ला ने छात्रा को बधाई व आशीर्वाद देते हुए प्रसन्नता से बताया कि अनीता ने हाईस्कूल तक की पढ़ाई इसी विद्यालय में पूरी की है।बड़ी बहन ममता व छोटे भाई कृष्णा एवं विद्याभूषण ने गांव के लोगों को मिठाई खिलाकर खुशी की लहर दौड़ गई।

सो पीस बने मोबाइल टावर नेटवर्क नही उपभोक्ता परेशान

लालापुर/प्रयागराज। क्षेत्र की जनता सालों से मोबाइल नेटवर्क की वजह से परेशान है।आज के समय में हर ब्यक्ति के पास मोबाइल फोन है,लेकिन टावर होते हुए भी नेटवर्क नही है।सरकार ने निजी कम्पनियों को जगह जगह टावर लगा रखा है,लेकिन जहाँ पर टावर है उसी के नीचे नेटवर्क रहता है,थोड़ी दूर एक किलोमीटर हटने के बाद हर ब्यक्ति नेटवर्क से परेशान है।जगह जगह जब टावर नही लगाया गया था, उस समय तरहार क्षेत्र में कौशाम्बी का नेटवर्क पकड़ता था, तब नेटवर्क की परेशानी नही हुआ करती थी। लेकिन क्षेत्र के मानपुर गांव में मोबाइल टावर लगा है 500 मीटर पर गांव कचरा नगरवार में नेटवर्क नही रहता,यही हाल छतहरा में टावर लगा है आधा किलोमीटर पर गांव सोनौरी,गोबरा तरहार में नेटवर्क नही रहता वही नागनपुर,ओटघी गांव में जब से मोबाइल टावर लग गया तब से इछौरा गांव व गोबरा तरहार में नेटवर्क नही रहता। इस तरह के टावर क्षेत्र मे सो पीस की तरह खड़ा है।अगर इन गांवों के लोगो को अचानक जरूरत पड़ जाय पुलिस सहायता की तो थाना लालापुर में नेटवर्क की कमी,ग्राम ओटघी तरहार व नागनपुर में लगाए गए टावर का यही हाल है,जब से ए दोनों टावर लगा है उसी समय से गोइसरा,इछौरा, कोहा रन का डेरा गोबरा तरहार,सोनोरी,इन गाँवो में चारों तरफ टावर लगा है लेकिन नेटवर्क नही रहता है,चाहे बी एस एन एल,हो या जिओ का टावर ओटघी,नागनपुर, में लगा देने से रेंज को दबा दिया,जिससे मोबाइल उपभोक्ता लगभग सालों से परेशान है,आखिर इस समस्या से कब निजात मिलेगी,इन टावर की उच्चस्तरीय जांच करके नेटवर्क की रेंज बढ़ाई जाय तभी उपभोक्ताओं की समस्या खत्म होगी।

थाना जिगना पुलिस द्वारा नाबालिक से छेड़खानी का आरोपी तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना जिगना के अन्तर्गत पुलिस द्वारा नाबालिक से छेड़खानी का आरोपी अभियुक्त एक तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। दिनांक 10.09.2020 को सायं थाना जिगना क्षेत्र निवासी वादी द्वारा थाना जिगना पर तहरीर देकर दिनांक 09.09.2020 को अपनी नाबालिक पुत्री के साथ छेड़खानी करने के संबंध में थाना स्थनीय पर अभियोग पंजीकृत कराया गया था, उक्त अभियोग की विवेचना व वाछिंत अभियुक्त की गिरफ्तारी में त्वरित कार्यवाही करते हुए वांछित अभियुक्त राहुल उर्फ बबलू मौर्या पुत्र भोला निवासी बिहसड़ा थाना जिगना को प्रभारी निरीक्षक प्रणय प्रसुन श्रीवास्तव मयहमराह द्वारा इण्डीयन पेट्रोल पंप ग्राम बिहसड़ा कला के पास से शुक्रवार को एक अदद अवैध तमंचा 12 बोर व एक अदद कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

आपदा में अवसर तलाशता योगी राज,भ्रष्टाचार का बोलबाला: अजय कुमार लल्लू

कोरोना महामारी में पीपीई किट-पल्स ओक्सिमीटर, इन्फारेड थर्मामीटर और सैनिटाइज़र खरीद में घोटाला

पशुधन घोटाला, 69 भर्ती घोटाला, पीएफ घोटाला, योगी सरकार घोटालेबाजों को संरक्षण देती है

योगी राज में भ्रष्टाचार हुआ संस्थागत, ऊपर से नीचे तक सब घोटाले में लिप्त

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश के कई जिलो में पीपीई किट के खरीद में हुए घोटालों पर योगी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि योगी सरकार में भ्रष्टाचारियों और घोटालेबाजों को सरकारी संरक्षण मिला हुआ है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने जारी बयान में कहा कि योगी सरकार से शासन-प्रशासन बिलकुल नहीं चल पा रहा है । प्रदेश में घोटालों की बाढ़ आई हुयी है । एक के बाद एक घोटाला सामने आ रहा है । वैश्विक महामारी में जहाँ एक ओर लोगो की कमर टूट गयी है वही घोटालेबाजों की योगी सरकार की प्रशासनिक अक्षमता के चलते पौ बारह है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि मौजूदा योगीराज में सरकार का पूरा अमला आपदा में अवसर तलाशता नज़र आ रहा है, महामारी के बाबजूद लोग घोटाले और भरष्टाचार को नए आयाम दे रही है। उन्होंने ने कहा कि इन घोटालेबाजों को लगाम लगाये जाने की बजाये घोटालों के खिलाफ अवाज़ उठाने वाले लोगों पर ही मुकदमा लाद रही है। भ्रष्टाचार पर जीरो टोलेरेंस की बात करने वाली सरकार में भ्रष्टाचारियो को सरकारी संरक्षण मिला हुआ है। सीतापुर बहराइच सुल्तानपुर उन्नाव बिजनौर गाजीपुर सहित तमाम जनपदों में पीपीई किट खरीद में हुए घोटालों की खबर आ रही है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि पंचायत चुनाव के ऐन मौके पर जिले जिले में भ्रष्टाचारियों के दम पर वसूली केंद्र खोले गए है जो चुनाव के समय भाजपा को मदद देंगे । उन्होंने कहा कि पशुधन घोटाला, 69 भर्ती घोटाला, पीएफ घोटाला, स्कूली ड्रेस खरीद घोटाला , जूते खरीद में घोटाला, धान क्रय केन्द्रों में खरीद में घोटाला क्या योगी सरकार घोटालेबाजों को संरक्षण देती है। पहले घोटाला , फिर सख्ती का नाटक और फिर घोटाले को दबाना, यही योगी सरकार की कार्यप्रणाली रही है। उन्होंने पीपीई किट घोटाले की जान हाईकोर्ट के वर्तमान जज से कराये जाने की मांग की। अजय लल्लू ने योगी को आगाह किया कि अगर एक सप्ताह के अंदर घोटालेबाज़ गिरफ्तार ना हुए तो कांग्रेस पार्टी सड़को पर उतर कर प्रदर्शन करने को बाध्य होगी।

भारतीय समाज सेवा संघ दो पदाधिकारी नियुक्त

रमाकांत मिश्रा प्रदेश सचिव अमित सिंह भदौरिया प्रदेश सचिव नियुक्त

बाराबंकी। भारतीय समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संरक्षक भास्कर यादव जी के नेतृत्व में रमाकांत मिश्रा जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष भास्कर यादव जी के द्वारा रमाकांत मिश्रा को उत्तर प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया वहीं दूसरी ओर प्रदेश के सचिव अमित सिंह भदौरिया जी को प्रदेश सचिव पर नियुक्त किया गया।

खंड शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में बी आर सी सूरतगंज संकुल शिक्षकों का सेमिनार का किया गया आयोजन

बाराबंकी। जनपद के विकास खंड सूरतगंज में खंड शिक्षा अधिकारी श्री राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बीआरसीसूरतगंज में संकुल शिक्षकों का सेमिनार का आयोजन किया गया ! जिस में विकास खंड के समस्त 12 न्याय पंचायतों के 60 शिक्षकों

का उन्मुखीकरण किया गया ! संकुल शिक्षकों का उन्मुखीकरण एआरपीअरविन्द प्रताप सिंह व एआर पीअजीत प्रताप सिंह ने किया इस अवसर पर जिला शिक्षा एव प्रशिक्षण संस्थान संस्थान (डायट) गणेशपुर के प्रधानाचार्य श्री हिफजुर्रहमान, व ज़िला समन्यवक श्रीमती विनीता मिश्रा उपस्थित रहीं ! प्रावि करनपुर सूरतगंज के प्रधानध्यापक एमआईनादिम ने बताया कि वेबिनार के बाद डायट प्रिंसिपल ने जिला समन्यवक के साथ एआरपी व संकुल शिक्षकों की बैठक भी की जिस में मुख्य रूप से शेष एआरपी पद के चयन, मिशन प्रेरणा के संचालन , एआरपीव संकुल शिक्षक के कार्य दायित्व , डैश बोर्ड की देखभाल ई श्रेणी के विद्यालयों हेतु कार्य योजना का निर्माण,तथा ई श्रेणी के स्कूलों को गोद लिए जाने पर विस्तृत चर्चा की !

इस मौके पर ए आरपी श्री अरविन्द प्रताप सिंह अजीत प्रताप सिंह व संकुल शिक्षक श्री दिलीप कुमार, विनोद कुमार ,भूपेंद्र कुमार, अमित कुमार, ओमकार , मोईनुद्दीन, हिमांशु वर्मा आदि उपस्थित रहे !

यूपी से एमपी की सीमा पार कर लाई जा रहीं मादक पदार्थों की खेप

आखिर कौन दे रहा इन माफियाओं को संरक्षक

रीवा। दो राज्यों की लगने वाली एमपी-यूपी सीमा पर विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों की बड़े पैमाने में सप्लाई जारी हैं तथा चंद पैसों के खातिर कानून के कुछ रक्षक भक्षक बने बैठे हैं। यही वजह है कि माफिया पुलिस के चंगुल से अक्सर बचकर निकल जाते हैं। इन्हीं लोगों द्वारा समाज के वातावरण को दूषित व युवा पीढ़ी को खाई में ढकेलने का कार्य किया जा रहा है। हम बात कर रहें हैं रीवा जिले के त्योंथर तहसील अंतर्गत चाकघाट थाना की जहां दो प्रांतो यूपी-एमपी की सीमा पर तस्करों का लंबे समय से काफी बोलबाला रहा है। कानून व समाज की रक्षा करने की कसम खाकर कुछ चंद लोगो द्वारा अतिरिक्त पैसों के लालच में आपराधियों का बेखौफ संरक्षण एवं खाकी को बदनाम कर रहें हैं। पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह द्वारा रीवा जिले में पदस्थापना के दौरान स्वंय यूपी से एमपी में होने वाले तमाम आपराधिक चुनौतियों को स्वीकार किया था परन्तु जिले की सीमा पर बसे चाकघाट थाना के कुछ आरक्षकों द्वारा पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह के नेक इरादों पर पानी फेरते हुए चकमा देने का कार्य कर रहें हैं। चाकघाट थाना में काफी समय से पदस्थ कई आरक्षकों द्वारा साठगांठ कर कोरेक्स, नशीली दवाइयां सहित तमाम तरह के मादक पदार्थो एवं माफियाओं को संरक्षण दे रहें हैं और यूपी से एमपी में खेप की सप्लाई जारी हैं। आपको बता दे कि थाना अंतर्गत चल रहें जुआ-सट्टा, अवैध गिट्टी-बालू, ओवरलोड ट्रक व थाना अंतर्गत बिक रहे अवैध शराब, गांजा के सौदागरो, भैस तस्करों, अवैध भूसा की गाड़ियों से भी बकायदा हफ्ता वसूलते है जिससे दिन-प्रतिदिन लोगो का पुलिस-प्रशासन से विश्वास उठता जा रहा है। सूत्रों की माने तो जब वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कहीं दबिस देने की रणनीति बनाई जाती है और जैसे ही इनके कानों पर भनक लगती हैं तो इनके द्वारा माफियाओं को सचेत किया जाता है जिससे माफिया गिरफ्तार होने से बच जाते हैं। सूत्रों कि माने तो चाकघाट थाने व तहसील में काफी समय से पदस्थ अमित और उनके सहयोगियों सहित कइयों का नाम काफी चर्चित है। अगर इन आरक्षकों द्वारा उपयोग कर रहें विभिन्न नंबरों का कॉल डिटेल-ट्रेसिंग तथा सर्विलांस में लगाया जाए तो निश्चित ही बहुत बड़ा सच सामने आ सकता है। जिले के पुलिस अधीक्षक व वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करवाया गया है।

भाकियु राधेलाल गुट का बढ़ रहा जनाधार

बाराबंकी। शुक्रवार को लोकप्रिय राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेलाल यादव के नेतृत्व में तथा जिला प्रभारी बाराबंकी मोहम्मद इस्माइल की अध्यक्षता में सदस्यता अभियान चलाया गया, सदस्यता अभियान के क्रम में नगर पंचायत बेलहरा में संगठन के जिला सचिव मोहम्मद इस्लाम राईन की अगुवाई में सैकड़ों किसानों ने भारतीय किसान यूनियन राधे की सदस्यता ग्रहण की सदस्यता ग्रहण करने वाले किसानों ने कहा कि अभी तक उन लोगों को कोई भी किसान नेता ऐसा नहीं मिला जो हम किसान मजदूर की आवाज शासन प्रशासन तक पहुंचाने में मदद करता मिला हो लेकिन भारतीय किसान यूनियन राधे गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेलाल यादव की कार्य करने की शैली को हम किसान मजदूर लोग वर्षों से देख रहे थे इसलिए इनसे आकर्षित होकर भारतीय किसान यूनियन राधे की सदस्यता ग्रहण की है और अब हम सभी किसान भाई मिलकर संगठन को और अधिक शक्तिशाली बनाएंगे सदस्यता अभियान में बैठक का संचालन जिला प्रवक्ता बलराम यादव ने किया कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राधे लाल यादव ने कहा कि मैं गरीब किसान मजदूरों के लिए और उनके दुःख दर्द को दूर करने के लिए रात दिन एक कर दूंगा, और शासन प्रशासन तक उनको न्याय दिलाने का प्रयास करता रहूंगा इसी कड़ी में जिला प्रभारी मोहम्मद इस्माइल ने कहा कि संगठन के बिना कोई भी व्यक्ति अपनी आवाज इस गूंगी बहरी सरकार और इस सरकार के भ्रष्ट मक्कार अधिकारियों तक नहीं पहुंचा सकता इसलिए आप सभी लोग संगठित होकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लें फिर देखना आप लोगों की आवाज को बुलंद होने से कोई रोक नहीं सकता।

तहसील अध्यक्ष नवाबगंज मोहम्मद रियाज ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसानों और मजदूरों का शोषण करने वाले रिश्वत खोर अधिकारी और कर्मचारी अब अपने आप को सीघ्र ही सुधार ले नहीं तो वह दिन दूर नहीं कि तुम लोगों के पास पैसा तो होगा परन्तु पेट भरने के लिए अन्न नहीं मिलेगा किसानों की हाय से तुम लोगों का सर्वनाश हो जाएगा, इस मौके पर रीतू एडवोकेट जिला अध्यक्ष बाराबंकी जिला सचिव मोहम्मद इस्लाम राईन,सुशीला यादव ब्लाक अध्यक्ष फतेहपुर, सईद राईन नगर अध्यक्ष बेलहरा, इम्तियाज राईन नगर सचिव बेलहरा देवी शरन,रामलोटन, अवधराम,बहादुर यादव,कोमल यादव,मोहम्मद कलीम,सलमान राईन,याकूब खां, शकील राईन अनंतराम,अजय कुमार, दीनानाथ,मंगेशकर,राकेश कुमार,मन्ना लाल समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

वाहनों की बिक्री में तेजी लौटी

नई दिल्ली | एजेंसी।

पांच महीने से कोविड-19 महामारी की मार झेल रहे वाहन उद्योग के लिए अगस्त का महीना राहत भरा रहा। यात्री वाहनों की थोक बिक्री में 14 फीसद और दुपहिया वाहनों की बिक्री में तीन फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री एक साल पहले की तुलना में 14.16 फीसदी बढ़कर 2,15,916 पर पहुँच गई। पिछले साल अगस्त में यह आँकड़ा 1,89,129 पर रहा था। इसमें कारों की बिक्री 14.13 फीसद बढ़कर 1,24,715 इकाई, उपयोगी वाहनों की बिक्री 15.54 फीसद बढ़कर 81,842 इकाई और वैनों की बिक्री 3.82 फीसदी की वृद्धि के साथ 9,359 इकाई रही। घरेलू बाजार में इस साल अगस्त में कुल 15,59,665 दुपहिया वाहन बिके। अगस्त 2019 में यह आँकड़ा 15,14,196 इकाई रहा था। इसमें मोटरसाइकिलों की बिक्री 10.13 फीसद बढ़कर 10,32,476 पर पहुँच गई जबकि स्कूटरों की बिक्री 12.30 फीसदी घटकर 4,56,848 इकाई रह गई। मोपेड की बिक्री 25.65 फीसद बढ़कर 70,126 इकाई पर पहुँच गई। इसके अलावा 215 इलेक्ट्रिक वाहन भी बिके। कोविड-19 के कारण 24 मार्च से देश भर में लगाए गए लॉकडाउन के कारण मार्च से जुलाई तक वाहनों

की बिक्री प्रभावित रही थी। इस साल अप्रैल में पहली बार ऐसा हुआ जब देश में कोई वाहन नहीं बिका। त्योहारी मौसम से पहले यात्री वाहन और दुपहिया वाहन की बिक्री के रफ्तार पकड़ने से वाहन उद्योग को बड़ी राहत मिली है। सियाम के अध्यक्ष केनिची आयुकावा ने कहा (बिक्री में) वृद्धि दिखनी शुरू हो गई है, जिससे इस उद्योग में विश्वास पैदा हुआ है, खासकर दुपहिया और यात्री वाहनों की श्रेणी में। एक साल पहले के मुकाबले अगस्त में बिक्री बढ़ी है, लेकिन अगस्त 2019 में बिक्री में भारी गिरावट रही थी। उस समय यात्री वाहनों की बिक्री 32 फीसद और दुपहिया वाहनों की 22 फीसद घट गई थी। इसमें कुछ कोविड-19 के कारण रुकी हुई माँग और त्योहारी मौसम की माँग का योगदान भी है, इसके बावजूद अगस्त के आँकड़े अच्छा संकेत दे रहे हैं। सियाम ने बताया कि तिपहिया वाहनों की बिक्री में सुस्ती बनी हुई है। इनकी बिक्री 14,534 इकाई रही जो एक साल पहले के मुकाबले 75.29 फीसद कम है। इसमें यात्री परिवहन वाले वाहनों में 84.27 फीसद और मालढुलाई वाले वाहनों में 21.32 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त तक यात्री वाहनों की बिक्री में 49.41 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 10,91,928 यात्री वाहन बिके थे जिनकी संख्या घटकर 5,52,429 रह गई है। इसी अवधि में दुपहिया वाहनों की बिक्री 48.57 फीसद कम होकर 41,34,132 इकाई और तिपहिया वाहनों की 84.86 फीसदी घटकर 40,022 इकाई पर रही। वाहन कंपनियों को अगस्त में निर्यात के मोर्चेपर मंदी का सामना करना पड़ा। कई देशों में लॉकडाउन और आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिबंध के कारण यात्री वाहनों का निर्यात 45.17 फीसद घटकर 38,116 इकाई रह गया। पिछले साल अगस्त में 69,516 यात्री वाहनों का निर्यात किया गया था। दुपहिया वाहनों का निर्यात 14.23 फीसद की गिरावट के साथ 2,55,842 इकाई पर रहा। मोटरसाइकिलों के निर्यात में 7.08 फीसद और स्कूटरों के निर्यात में 62.89 फीसद की गिरावट रही। तिपहिया वाहनों का निर्यात 13.61 फीसद घटकर 39,636 इकाई पर आ गया।

अर्थव्यवस्था की तस्वीर कोरोना के बाद साफ होगी

आज देश आर्थिक मंदी के भयानक दलदल में फंस चुका है। कोरोना वायरस के चलते कई संपन्न देशों की जी डी पी नेगेटिव में जा पहुंची है। लेकिन भारत की हालत बहुत खराब है। करीब 24 प्रतिशत नेगेटिव अर्थव्यवस्था को देश कैसे संभाल पायेगा। अभी तीन साल पहले तक केंद्र सरकार और उसके चेला अर्थशास्त्री शेखी बघारते रहते थे कि जीडीपी को दहाई के आंकड़े में लाया जाएगा। कोरोनावायरस के प्रबंधन ने भी हमारी अर्थव्यवस्था को जबरदस्त चोट पहुंचाई है। हालांकि हमारी अर्थव्यवस्था पर ग्रहण तो नोटबंदी और जीएसटी के समय से ही लगना शुरू हो गया था। पहले से ही मौजूद बेरोजगारों की फौज में कोरोना के कारण करोड़ों लोग और जुड़ गए हैं। हालांकि कहीं कोई रिकार्ड नहीं है लेकिन डकैती, छिनैती,अपहरण, कत्ल आदि की खबरों पर नजर डालें तो लग जाएगा कि बेरोजगारों की बढ़ती फौज इस सब के लिए किसी हद तक जिम्मेदार मानी जानी चाहिए। 1991 में जब पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने तो उन्हें एक ऐसी अर्थव्यवस्था की विरासत मिली थी जो कि तबाह हो चुकी थी। देश की आर्थिक विश्वसनीयता खत्म थी। देश का रिजर्व सोना जहाज में लादकर विदेश ले जाया गया था और गिरवी रखा जा चुका था। पीवी नरसिम्हाराव के वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह पूंजीवादी आर्थिक चिंतन के खेमे के बड़े नाम थे। उन्होंने देश को आर्थिक विकास की ऐसी डगर पर डाल दिया जहां से हमारी अर्थव्यवस्था पर कोई भी कहीं से भी हमला बोल सकता था। जब पीवी नरसिम्हा राव की सरकार ने मुक्त बाजार की अर्थव्यवस्था की बात शुरू की थी तो सही आर्थिक सोच वाले लोगों ने चेतावनी दी थी कि ऐसा करने से देश दुनिया भर के पैसे वालों के रहमोकरम पर निर्भर हो जाएगा और मध्य वर्ग को हर तरफ से पिसना पड़ेगा। सच्ची बात यह है कि जब बाजार पर आधारित अर्थव्यवस्था के विकास की योजना बना कर देश का आर्थिक विकास किया जा रहा हो तो कीमतों के बढ़ने पर सरकारी दखल की बात असंभव होती है। एक तरह से पूंजीपति वर्ग की कृपा पर देश की जनता को छोड़ दिया गया है। अब उनकी जो भी इच्छा होगी उसे करने के लिए वे स्वतंत्र हैं। इसे देश का दुर्भाग्य ही माना जाएगा कि शहरी मध्यवर्ग के लिए हर चीज महंगी है लेकिन इसे पैदा करने वाले किसान को उसकी वाजिब कीमत नहीं मिल रही है। आज 24 फीसदी नेगेटिव जीडीपी की अर्थव्यवस्था में खेती ही वह क्षेत्र हैं जहां जीडीपी की पाजिटिव ग्रोथ हुई है। लेकिन सरकार खेती वालों के बारे में कुछ भी करने को तैयार नहीं है। किसानों के कल्याण के लिए हरित क्रान्ति जैसी किसी क्रांतिकारी राजनीतिक और नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है। सप्लाई चेन को भी सही किया जाना सरकारी एजेंडा होना चाहिए। आज हालत यह है कि किसान से जो कुछ भी सरकार खरीद रही है उसका लागत मूल्य भी नहीं दे रही है। किसान को उसकी लागत नहीं मिल रही है और शहर का उपभोक्ता कई गुना ज्यादा कीमत दे रहा है। इसका मतलब यह हुआ कि बिचौलिया मजे ले रहा है। किसान और शहरी मध्यवर्ग की मेहनत का एक बड़ा हिस्सा वह हड़प रहा है। और यह बिचौलिया गल्लामंडी में बैठा कोई आढ़ती नहीं है। वह बड़ा पूंजीपति भी हो सकता है और किसी भी बड़े नेता का व्यापारिक पार्टनर भी। महंगाई की मुसीबत को समझने के लिए हमें इतिहास में थोड़ा पीछे जाकर आजादी के तुरंत बाद की स्थिति पर नजर डालनी चाहिए। क्योंकि इसकी बुनियाद हमारे राजनेताओं ने उसी वक्त डाल दी थी जब उन्होंने आजादी के बाद महात्मा गांधी की सलाह को नजरंदाज कर दिया था। गांधी जी ने ग्राम स्वराज्य में लिखा है कि स्वतंत्र भारत में विकास की यूनिट गांवों को रखा जाएगा। उसके लिए सैकड़ों वर्षों से चला आ रहा परंपरागत ढांचा उपलब्ध था। आज की तरह ही गांवों में उन दिनों भी गरीबी थी। गांधी जी ने कहा कि आर्थिक विकास की ऐसी तरकीबें ईजाद की जाएं जिससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों की आर्थिक दशा सुधारी जा सके और उनकी गरीबी को खत्म करके उन्हें संपन्न बनाया जा सके। अगर ऐसा हो गया तो गांव आत्मनिर्भर भी हो जायेंगे और राष्ट्र की संपत्ति और उसके विकास में बड़े पैमाने पर योगदान भी करेंगें। उनका यह दृढ़ विश्वास था कि जब तक भारत के लाखों गांव स्वतंत्र, शक्तिशाली और स्वावलंबी बनकर राष्ट्र के सम्पूर्ण जीवन में पूरा भाग नहीं लेते, तब तक भारत का भावी उज्जवल हो ही नहीं सकता। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। महात्मा गांधी की सोच को राजकाज की शैली बनाने की सबसे ज्यादा योग्यता सरदार पटेल में थी। देश की बदकिस्मती ही कही जायेगी कि आजादी के कुछ महीने बाद ही महात्मा गांधी की मृत्यु हो गई और करीब ढाई साल बाद सरदार पटेल चले गए। उस वक्त के देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू एक ऐसे नेता थे जो महात्मा गांधी की हर बात मानते थे लेकिन आर्थिक नीति के इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर वे चूक गए। उन्होंने देश के आर्थिक विकास की नीति ऐसी बनाई जिसमें गांवों को भी शहर बना देने का सपना था। उन्होंने ब्लाक को विकास की यूनिट बना दी और महात्मा गांधी के बुनियादी सिद्धांत को ही छोड़ दिया। यहीं से गलती का सिलसिला शुरू हो गया। ब्लाक को विकास की यूनिट मानने का सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ कि गांव का विकास गांव वालों की सोच और मर्जी की सीमा से बाहर चला गया और सरकारी अफसर ग्रामीणों का भाग्यविधाता बन गया। फिर शुरू हुआ रिश्वत का खेल और आज ग्रामीण विकास के नाम पर खर्च होने वाली सरकारी रकम ही राज्यों के अफसरों की रिश्वत का सबसे बड़ा साधन है जब 1991 में पीवी नरसिंह राव की सरकार आई तो आर्थिक और औद्योगिक विकास पूरी तरह से पूंजीवादी अर्थशास्त्र की समझ पर आधारित हो गया। बाद की सरकारें उसी सोच को आगे बढ़ाती रहीं और आज तो हालात यह हैं कि अगर दुनिया के संपन्न देशों में बैंक फेल होते हैं तो अपने देश में भी लोग तबाह होते हैं। तथाकथित खुली अर्थव्यवस्था और वैश्वीकरण के चक्कर में हमने अपने मुल्क को ऐसे मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया है जब हमारी राजनीतिक स्थिरता भी दुनिया के ताकतवर पूंजीवादी देशों की मर्जी पर हो गई है। देश में आर्थिक मुसीबत की एक दूसरी समस्या है कि पिछले 40 वर्षों में राजनीति ऐसे लोगों का ठिकाना हो चुकी है जो आमतौर पर राजनीति को एक व्यवसाय के रूप में अपनाते हैं। पहले ऐसा नहीं था। आजादी की लड़ाई में बड़े पैमाने पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफल लोग राजनीति में शामिल हुए थे। 1920 से 1942 तक भारतीय राजनीति में जो लोग शामिल हुए वे अपने क्षेत्र के बहुत ही सफल लोग थे। राजनीति में वे कुछ लाभ लेने के लिए नहीं आये थे, अपना सब कुछ कुर्बान करके अपने देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था को लोकशाही के हवाले करने का उनका जज्बा उनको राजनीति में लाया था। बाद के समय में भी राजनीति में वे लोग सक्रिय थे जो आजादी की लड़ाई में शामिल रह चुके थे और देश के हित में कुर्बानियां देकर आये थे। लेकिन जवाहरलाल नेहरू के जाने के बाद जब से राजनीतिक नेताओं का नैतिक अधिकार कमजोर पड़ा तो राजनीति में ऐसे लोग आने लगे जिनको चापलूस कहा जा सकता है वे राजनीतिक जमातें भी राजनीति में सम्मान की उम्मीद करने लगीं जिनके राजनीतिक पूर्वज या तो अंग्रेजों के साथ थे या आजादी की लड़ाई में तमाशबीन की तरह शामिल हुए थे। उनको मान्यता मिली भी क्योंकि 1947 के पहले राजनीतिक संघर्ष का जीवन जीने वाले नेता धीरे-धीरे समाप्त हो रहे थे। आज दिल्ली में अगर नजर दौड़ाई जाए तो साफ नजर आ जाएगा कि राजनीति में ऐसे लोगों का बोलबाला है जो राजनीति को एक पेशे के रूप में अपनाकर सत्ता के गलियारों में धमाचौकड़ी मचा रहे हैं, देश के उज्ज्वल भविष्य से उनका कोई लेना देना नहीं है, वे वर्तमान में जीने के शौकीन हैं और वर्तमान को राजाओं की तरह जी रहे हैं। यह लोग राजनीति को व्यापार समझते हैं और उसमें लाभ हानि के लिए किसी से भी समझौता कर लेते हैं। एक और बात समझ लेने की है कि दोनों ही बड़ी पार्टियों की अर्थनीति वही है, डॉ. मनमोहन सिंह को बेशक बीजेपी वाले दिन-रात कोसते रहते हैं लेकिन आर्थिक नीतियां उनकी ही लागू हो रही है। राजनीति में सत्तर के दशक में ऐसे लोगों का आना बड़े पैमाने पर शुरू हुआ जो राजनीति को व्यापार समझते था। यही वर्ग 1980 में सत्ता में आ गया और जब मनमोहन सिंह ने अर्थव्यवस्था को विश्वबाजार के सामने पेश किया तो इस वर्ग के बहुत सारे नेता भाग्यविधाता बन चुके थे।उन्हीं भाग्यविधाताओं ने आज देश का यह हाल किया है और अपनी तरह के लोगों को ही राजनीति में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया है। पिछले 20 वर्षों की भारत की राजनीति ने यह साफ कर दिया है कि जब तक देशप्रेमी और आर्थिक भ्रष्टाचार के धुर विरोधी राजनीतिक पदों पर नहीं पंहुचते, देश का कोई भला नहीं होने वाला है।

सम्पादकीय

बढ़ता रक्षा निर्यात

भारत सैन्य साजो-सामान के सबसे बड़े खरीदार देशों में है, लेकिन अब रक्षा क्षेत्र में हमारे निर्यात में भी तेज बढ़त हो रही है. साल 2016-17 में भारत ने 1521 करोड़ रुपये मूल्य के रक्षा उत्पाद अन्य देशों को बेचा था. दो साल में यानी 2018-19 में यह आंकड़ा 10,745 करोड़ रुपये हो गया यानी इस अवधि में निर्यात में 700 प्रतिशत की वृद्धि हुई. भारत शीर्ष के 20 रक्षा उत्पाद निर्यातक देशों की सूची में शामिल हो गया है. फिलहाल इसमें हमारा देश 19वें पायदान पर है. यह उपलब्धि इस अर्थ में और भी महत्वपूर्ण है कि केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने आत्मनिर्भर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को साकार करने के लिए रक्षा उत्पादन और निर्यात को बढ़ाने के उद्देश्य से पिछले महीने एक विशेष नीति बनाया है. इसमें इस क्षेत्र का विस्तार कर 2025 तक टर्नओवर 1.75 लाख करोड़ रुपये तथा निर्यात 35 हजार करोड़ करने का लक्ष्य रखा गया है. कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर होने की प्रतिबद्धता के परिणाम दिखने लगे हैं. घरेलू रक्षा उद्योग के लिए बड़ी मात्रा में आयात एक अहम चुनौती है. लेकिन सरकार ने इसे प्रोत्साहन देने के लिए 101 सैन्य साजो-सामान के आयात पर चरणबद्ध तरीके से पाबंदी लगाने का फैसला किया है. निवेश को सुगम बनाने के लिए अब सरकार ने रक्षा उद्योग में प्रत्यक्ष विदेश निवेश की सीमा को 49 से बढ़ाकर 74 प्रतिशत करने का बड़ा निर्णय लिया है, जिसकी घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में कोरोना संकट का सामना करने के विभिन्न उपायों व सुधारों का प्रस्ताव करते हुए ही कर दी थी. अब इस पर कैबिनेट की मुहर लग गयी है. चूंकि राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से रक्षा क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए इस निर्णय के साथ यह नियमन भी कर दिया गया है कि सरकार को ऐसे निवेशों की समीक्षा का अधिकार होगा. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के आने से निजी क्षेत्र के विस्तार का लाभ रक्षा उद्योग में लिया जा सकेगा. इसी क्रम में इस क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनियों को बेहतर करने की जरूरत है ताकि उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ उन्हें बदलते आर्थिक और तकनीकी रूझानों के अनुरूप बनाया जा सके. सैन्य प्रमुख (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने ऐसी कंपनियों में सुधार की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा है कि कार्य संस्कृति और गुणवत्ता को स्तरीय बनाने के लिए ऐसा करना आवश्यक है. उन्होंने कुछ पुराने उपकरणों और तकनीकों को उन देशों को निर्यात करने का सुझाव भी दिया है, जिनकी रक्षा शक्ति कमजोर है. इससे हमारे यहां नयी तकनीक के लिए जगह भी बनेगी और निर्यात से रणनीतिक व सामरिक संबंधों को भी मजबूत किया जा सकेगा. उनकी यह बात भी बेहद अहम है कि ताकतवर देशों की पाबंदियों की चिंता से भी भारत को निकलना चाहिए और अपने हितों के अनुरूप व्यवहार करना चाहिए.

अहम है वैक्सीन का तीसरा चरण

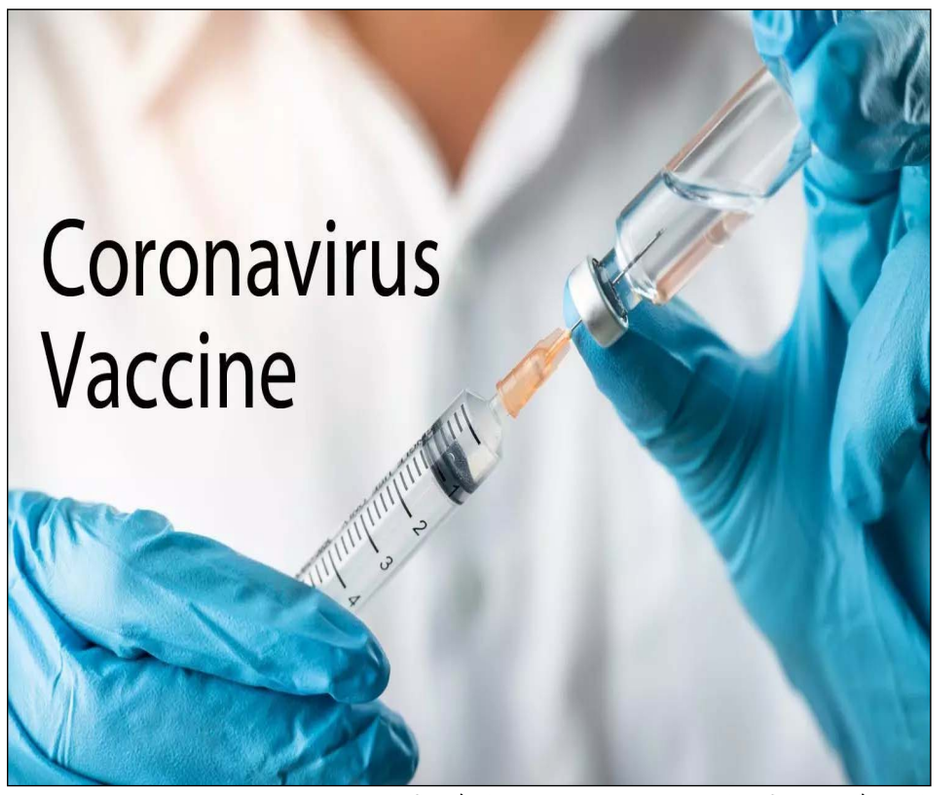

भारत में जब वैक्सीन को मंजूरी प्रदान की जायेगी, तो दुनिया के अन्य देशों में हुए ट्रायल और भारत में हुए ट्रायल के डेटा को मिलाकर देखा जायेगा. डेटा के विश्लेषण और परिणाम के आधार पर ही वैक्सीन को अप्रूवल दिया जायेगा. ब्रिटेन में एक वॉलंटियर को वैक्सीन देने के बाद कुछ परेशानी हुई है. इसके बाद ट्रायल को वहीं रोक दिया गया है. ड्रग्स कंट्रोलर जेनरल ऑफ इंडिया (डीजीसीआइ) ने नोटिस जारी कर सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से सवाल किया है कि दूसरे देशों में चल रहे ट्रायल के नतीजों के बारे में जानकारी क्यों नहीं दी. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका पीएलसी की ओर से इस वैक्सीन का ट्रायल किया जा रहा है. भारत में इस पर रोक लगायी गयी है, तो कोई नयी बात नहीं है. वैक्सीन ट्रायल में काफी लोगों को शामिल किया जाता है. जब ट्रायल के दौरान किसी को वैक्सीन दी जाती है, तो उसमें कई लोगों को पहले से भी बीमारी होती है. पहले और दूसरे फेज की जब स्टडी की जाती है, तो हर एक व्यक्ति की पहले क्लीनिकल जांच की जाती है. उसे देखा जाता है कि उस व्यक्ति को कहीं पहले से कोई और बीमारी तो नहीं है. लेकिन, जब तीसरे फेज का ट्रायल होता है, तो उसमें सामान्य जनता को चुना जाता है. उसमें पहले से लोगों की जांच नहीं की जाती है.अगर किसी को कोई बीमारी रही है, उसे दिक्कत हो जाये, तो कह दिया जाता है कि वैक्सीन की वजह से है. इस बीमारी का कारण क्या है, फिर इसकी जांच करनी होती है. इसके लिए डेटा एंड सेफ्टी मॉनिटरिंग बोर्ड (डीएसएमबी) एक जांच समिति होती है. सारी जानकारी और आंकड़े उसे दिये जाते हैं. यह स्वतंत्र निकाय होता है और वैक्सीन बनाने वाले के साथ उनका कोई मतलब नहीं होता है. यह निकाय जांच करता है कि जो दिक्कत आयी है, क्या वह वैक्सीन के कारण है या किसी अन्य वजह से है. इसी जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई निर्भर होती है. हालांकि, कमेटी की इस संदर्भ में बैठक नहीं हुई है. इसमें एक-दो दिन का समय लगता है. इसलिए, जो कुछ भी हुआ, उसकी वजह क्या रही, उसके बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ कह पाना थोड़ा मुश्किल है. यह ठीक उसी तरह से है किसी ने पानी पीया और उसे सांप काट लिया. लेकिन जिन्हें मालूम नहीं कि सांप ने काटा है, वे कहेंगे कि पानी पीने की वजह से उसकी मौत हो गयी. पानी में कुछ मिला हुआ था. ये निराधार बातें हैं. इसीलिए, जांच कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद उक्त कारण स्पष्ट हो पायेगा. खबरों में कहा गया है कि ट्रायल के दौरान एक वॉलंटियर को ट्रांसवर्स मायलाइटिस का पता चला. हालांकि, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है. यह बीएसएमबी की मीटिंग के बाद ही हो पायेगी. इस वैक्सीन का पहला और दूसरा चरण काफी अच्छा रहा है. मुझे नहीं लगता है कि वैक्सीन की वजह से कोई दिक्कत उत्पन्न हुई होगी. पहले और दूसरे फेज में हम देखते हैं कि वैक्सीन की कितनी डोज देनी चाहिए और दूसरी चीज देखी जाती है- इम्यूनोजेनेसिटी. साथ ही देखा जाता है कि वैक्सीन इम्यून रिस्पांस बना रही है या नहीं. यदि बना रही है, तो किस प्रकार का रिस्पांस है. देखा जाता है कि इम्यून का रिस्पांस क्या वाकई वायरस को मार देने में सक्षम है या नहीं. न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडीज के बनने के बारे में भी पता लगाया जाता है. यह दो तरह का एक सेलुलर रिस्पांस और दूसरा ह्यूमरल रिस्पांस होता है. सेलुलर रिस्पांस के अंदर टी सेल्स आदि को देखते हैं. यह लंबे समय की इम्युनिटी के लिए काम करती है. फेज एक और दो में सेफ्टी और इम्युनोजेनेसिटी देखा जाता है. जिन वैक्सीन को अप्रूवल दिया गया है, उसमें सेफ्टी और इम्युनोजेनेसिटी का कोई इश्यू नहीं था. लेकिन, फेज तीन में इसके असर को लंबे समय तक परखा जाता है. जो एंटीबॉडीज बनी वह कितनी देर तक प्रोटेक्शन देती है. सेफ्टी से जुड़े मामले फेज तीन में ज्यादा स्पष्ट हो जाते हैं. अभी सभी वैक्सीन डेवलपमेंट स्टेज में है. दुनिया में केवल तीन वैक्सीन को अप्रूवल मिला है. लेकिन, यह इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए है. इसमें रूस की स्पुतनिक वैक्सीन और दो चीनी वैक्सीन हैं. इन वैक्सीन की फेज तीन के सीमित ट्रायल के बाद अप्रूवल दिया गया. लेकिन, लंबी अवधि में सुरक्षित वैक्सीन का आना अभी बाकी है. सेफ्टी के लिए जरूरी है कि इसके प्रभावों को बारीकी से जांचा जाये. जब तक सकारात्मक परिणाम नहीं निकलते, उसे सामान्य जनता को नहीं दिया जा सकता है. आजकल इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी जाती है. बहुत सारी मेडिसिन के लिए भी इजाजत दी जाती है. भारत में सीरम के अलावा बाकी जो तीन-चार कंपनियों की वैक्सीन हैं, वे शुरुआती चरण में हैं. इसमें जायडस, भारत बायोटेक की वैक्सीन हैं, उन्हें फेज दो के ट्रायल का अप्रूवल मिला है. लेकिन, वैक्सीन का सबसे अहम चरण तीसरा ही होता है. कितनी देर तक इम्युनिटी और सेफ्टी रहती है, इसी चरण में देखा जाता है. कुछ रिएक्शन तुरंत होते हैं, कुछ में छह से आठ महीने का समय लगता है. इसलिए जरूरी है कि वैक्सीन छह महीने या आठ महीने बाद उतनी कारगर है कि नहीं यह भी देखा जाता है. जहां तक अन्य ट्रायल की बात है, तो उन पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा. क्योंकि हर एक की टेक्नोलॉजी और तरीके अलग-अलग होते हैं. अभी एक वैक्सीन के ट्रायल को कुछ समय के लिए रोका गया है, बाकी अन्य पर काम चलता रहेगा. वैक्सीन ट्रायल के दौरान दो बातों को विशेष तौर पर ध्यान में रखा जाता है. पहला सेफ्टी और दूसरा इम्युनोजेनेसिटी. यानी वैक्सीन किसी को भी, किसी भी उम्र में लगे, तो उसके शरीर में किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होना चाहिए. वैक्सीन जिस कारण के लिए लगा रहे हैं, उसमें वायरस के अटैक से बचाव कर सकता है या नहीं, यह भी देखना जरूरी होता है।

किशोर बुद्धि का तन्तुजाल

किशोर उम्र के बच्चों का व्यवहार अक्सर उनके नजदीकी लोगों की समझ में नहीं आता। ये लोग कुछ काम को एक खास तरीके से क्यों करते हैं? हमारे बच्चे होते हुए भी हमसे क्यों दुराव, छिपाव करते हैं? शैशव में सब कितना मधुर था- ऐसा हम लोग सोचते हैं। यहां यह जोड़ना जरूरी है कि ये परिवर्तन सभी किशोरों और सभी अभिभावकों के ऊपर समान रूप से लागू नहीं है। किन्तु वय सन्धि का यह काल कठिन अवश्य है। लगभग सभी किशोरों के मुंह से प्रायरू यह सुनेंगे, कि आप हमसे यह चीज मत छीनिए, हमारे कमरे में मत आइए, हमारी चीजें मत छेड़िए। हमें खेलने दीजिए। टीवी देखना है, तो वे देखते चले जाएंगे। माता-पिता की अवहेलना करना, उनकी आदत बन जाती है। विशेष लक्षण- इस आयु में लोग अपने माता-पिता के प्रति हीन-भावना से ग्रस्त होते हैं, जबकि दूसरों के माता-पिता उन्हें सही लगते हैं। इस उम्र के लोग अपने दोस्तों, साथियों व कक्षा के सहपाठियों के साथ बहुत घुले-मिले, और अपने माता-पिता से अपने को अलग महसूस करते हैं। उन्हें कोई भी खिताब, इनाम जीतने की या नाम कमाने की असीम इच्छा होती है। उनकी इन्हीं प्रवृत्तियों को समझ कर उनके चरित्र को उचित दिशा में ढालने का यही समय होता है, जो उनके अभिभावक, शिक्षक या हितैषी में होना जरूरी है। समझने की बात यह है, कि किशोरों की ये प्रवृत्तियां मूर्खतापूर्ण, या जल्दबाजी की हों, किन्तु उनका मूल कारण समझना जरूरी है। क्या है वह मूल कारण? अमेरिका के राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान को एक परियोजना में 90 के दशक में 160 किशोरों को किशोर बुद्धि के विकास का अध्ययन किया गया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि 12 वर्ष की आयु से लेकर 25 वर्ष तक की आयु तक हमारी बुद्धि में कई तन्तुजाल विकास संबंधी परिवर्तन होते हैं। इस काल में बुद्धि की आधारभूत बनावट तो 90 फीसदी वही रहती है, जितनी छरू वर्ष की अवधि तक बनती है- और केवल खोपड़ी का आकार और मजबूती बढ़ती है, परन्तु बुद्धि के तंतुजाल में क्रान्तिकारी परिवर्तन होते हैं। इस काल में बुद्धि का एक तरह से पुनर्गठन होता है- जिसे अंग्रेजी में नेटवर्क और वायरिंग अपग्रेडेशन कहेंगे। जैसे, एक से दूसरी बात का संबंध समझना। बुद्धि के उन लम्बे कोसों पर जो कि दूसरे न्यूरोन्स को संदेश भेजने के तन्तु होते हैं, एक वसायुक्त श्वेत झिल्ली चढ़ जाती है, इस झिल्ली को(बुद्धि का श्वेत पदार्थ)कहा जाता है, जो कि एक्सोन्स के कार्य की गति को खूब तेज कर देती है। जबकि न्यूरोन्स जो बुद्धि को संदेश देने -लेने वाला पदार्थ है, पर डेन्ड्राइट्स (शाखाएं) भारी संख्या में मजबूती से उड़ा आती है। पर दूसरे शब्दों में इसमें घनत्व और मजबूती बढ़ती है। उसके एक्सरोन्स के गिर्द बने छोटे-छोटे जोड़ पतले और अधिक मजबूत हो जाते हैं, जबकि हमारी बुद्धि के ग्रे मैटर जो हमारे पेंचीदा विचार शक्ति और चेतना का स्थल है।

अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद

हाल ही में प्रकाशित गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का बाजार नये निवेश चक्र के पहले चरण में है. रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लॉकडाउन के शुरुआती हिस्से में वित्तीय स्थिति सख्त रही थी, जो धीरे-धीरे नरम हुई. सरकार ने जिस तरह असाधारण राजकोषीय समर्थन पैकेज और आर्थिक सुधार लागू किये हैं, उससे वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में बाद वाली तिमाहियों में जीडीपी में सुधार की पूरी संभावनाएं हैं. भारतीय रिजर्व बैंक की विशेषज्ञ समिति के चेयरमैन केवी कामत ने कहा कि जीडीपी की वृद्धि दर में वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में गिरावट के बाद आगामी तिमाहियों में जीडीपी की स्थिति में तेजी से बेहतर सुधार की उम्मीद है. कई देशों की तरह भारत में भी कोविड-19 के कारण जीडीपी में भारी गिरावट का परिदृश्य दिखायी दे रहा है. लॉकडाउन ने आर्थिक गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित किया है. परिणामस्वरूप, 31 अगस्त को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून 2020 की तिमाही में देश के जीडीपी में -23.9 फीसदी की बड़ी गिरावट आयी है. यह गिरावट कंस्ट्रक्शन सेक्टर ट्रेड, ट्रांसपोर्ट, होटल सेक्टर, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में, फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर और उपयोगी सेवाओं के सेक्टर दिखायी दी है. कृषि ही एकमात्र ऐसा सेक्टर है, जिसमें 3.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गयी है. दुनिया के आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों ने का मानना है कि वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में जीडीपी में भारी गिरावट आयी है. लेकिन संपूर्ण वर्ष की जीडीपी में इतनी बड़ी गिरावट नहीं होगी. इंडिया रेटिंग्स का मानना है कि आगामी वित्त वर्ष 2021-22 में अर्थव्यवस्था पटरी पर आ जायेगी और वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर 9.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है. विश्व बैंक द्वारा जारी रिपोर्ट 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' में कहा गया है कि आगामी वित्तीय वर्ष में भारत सात फीसदी की विकास दर हासिल कर सकता है. जून, 2020 के बाद अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोलने की रणनीति का अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ा है. लॉकडाउन की तुलना में अब प्रमुख क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ रहा है. अगस्त, 2020 में कार कंपनियों की बिक्री ने पिछले साल 2019 में इसी महीने में हुई बिक्री को पीछे छोड़ दिया है. बढ़ती हुई रेलवे माल ढुलाई आर्थिक गतिविधियों की बेहतर संकेतक है. साथ ही बिजली की खपत में भी अच्छा सुधार हुआ है. आइएचएम मार्केट इंडिया के मैन्युफैक्चरिंग पचेंजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अगस्त 2020 में 52 दर्ज हुआ है. पीएमआइ इंडेक्स जुलाई में 46 दर्ज हुआ था, जबकि अप्रैल में लॉकडाउन के दौरान यह 27.4 तक नीचे आ गया था. मार्च 2020 के बाद पहली बार अगस्त 2020 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में वृद्धि हुई है. वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में भी सालाना आधार पर गिरावट आ सकती है, लेकिन यह गिरावट उतनी नहीं होगी जितनी कि लॉकडाउन के दौरान रही है. अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए चार बातों पर ध्यान देना जरूरी है. एक, उद्योग-कारोबार को प्रोत्साहन देना. दो, रोजगार वापस लाने के लिए तात्कालिक प्रयास, तीन भारत को कारोबार का वैश्विक केंद्र बनाना तथा चार देश में बड़ी संख्या में डिजिटल मौकों सहित नई नौकरियां पैदा करना होंगी. लॉकडाउन के बीच अप्रैल और मई, 2020 में कारोबार लगभग पूरी तरह बंद रहा, इससे दो महीनों में बेरोजगारी की दर ऊंची रही. लेकिन जून और जुलाई 2020 से बेरोजगारी की दर में लगातार कमी आनी शुरू हुई. साथ ही वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए रोजगार परिदृश्य अधिक मुश्किल भरा हुआ रहा. शहरी भारत में निर्मित हुए रोजगार के चिंताजनक परिदृश्य को बदलने के लिए सरकार के द्वारा अतिरिक्त रोजगार प्रयासों की आवश्यकता अनुभव की जा रही है.

यह जरूरी है कि रोजगार में तेज वृद्धि के लिए भारत को कारोबार, उत्पादन और निर्यात के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जाये. कोविड-19 के बीच चीन के प्रति दुनिया की बढ़ती नाराजगी के मद्देनजर भारत के वैश्विक कारोबार के नया केंद्र बिंदु बनने की संभावनाएं दिखायी दे रही हैं. भारतीय बाजार दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार है. देश में प्रतिभाशाली नयी पीढ़ी के द्वारा बढ़ते हुए नवाचार, स्टार्टअप, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, आउटसोर्सिंग और कारोबार संबंधी अनुकूलताओं के कारण कोविड-19 के बीच दुनिया की शीर्ष फाइनेंस और कॉमर्स कंपनियां भारत की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही हैं.सरकार के द्वारा उद्योग-कारोबार और निर्यात संबंधी और अधिक सुधारों से भारतीय बाजार में रोजगार के नये मौके निर्मित किये जाने होंगे. हम उम्मीद करें कि सरकार अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए नयी सुविधाएं एवं रियायतें देगी. रोजगार के खोए हुए मौके वापस लाये जायेंगे. नयी पीढ़ी को अच्छी ऑनलाइन एजुकेशन की डगर पर आगे बढ़ाया जायेगा. बड़ी संख्या में युवाओं को कुशल बनाने के फ्यूचर स्किल्स कार्यक्रम को कारगर तरीके से आगे बढ़ाया जायेगा. साथ ही डिजिटलीकरण के लिए आवश्यक बुनियादी जरूरतों संबंधी कमियों को दूर किया जायेगा।

सेरेना का 24वां ग्रैंड स्लेम का सपना टूटा, अजारेंका-ओसाका के बीच खिताबी मुकाबला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का 24वां ग्रैंड स्लेम जीतने का सपना वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पूर्व नंबर एक बेलारुस की विक्टोरिया अजारेंका के हाथों हारकर एक बार फिर टूट गया। अजारेंका ने सेरेना को 1-6, 6-3, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनायी। खिताब के लिए उनका मुकाबला जापान की नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने एक अन्य सेमाफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी जेनिफर ब्रॉडी को पराजित किया। यहां छह बार की चैंपियन सेरेना ने एक घंटे 55 मिनट तक चले इस मुकाबले के पहले सेट में अजारेंका को पूरी तरह पछाड़ दिया था और पहला सेट 6-1 से अपने नाम किया। पहला सेट गंवाने के बाद अजारेंका ने शानदार तरीके से वापसी की और अगले दोनों सेट जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

तीसरी वरीयता प्राप्त और विश्व की आठवें नंबर की खिलाड़ी सेरेना और अजारेंका के बीच यह 23वां मुकाबला था जिसे पांचवीं बार अजारेंका ने जीता। अजारेंका ने इस जीत के साथ ही सेरेना से 2012 में यूएस ओपन के फाइनल में मिली हार का बदला पूरा कर लिया। अजारेंका को सेरेना के हाथों 2012 यूएस ओपन के फाइनल में 2-6, 6-2, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा था। अजारेंका ने इस मैच में 24 विनर्स लगाए जबकि सेरेना ने 35 विनर्स लगाए। अजारेंका ने 17 और सेरेना ने 28 बेजां भूलें कीं। सेरेना अपने रिकॉर्ड 24वें ग्रैंड स्लेम से महज एक कदम दूर थीं लेकिन अजारेंका ने उनका सपना तोड़ दिया। इस जीत के साथ ही अजारेंका वेस्टर्न एंड सर्दन

टूर्नामेंट और यूएस ओपन मिलाकर लगातार 11 मुकाबला जीत चुकी हैं।

सेरेना के खिलाफ जीत हासिल करने के बाद अजारेंका ने कहा, ÷एक चैंपियन के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला खेलने को मैं बड़ा अवसर मानती हूं। फाइनल में पहुंचने के लिए मुझे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को हराना था और मैंने ऐसा किया। अजारेंका ने कहा, उम्मीद करती हूं कि इससे महिलाओं को अपने सपने पूरा करने की प्रेरणा मिलेगी। मेरा मानना है कि आप सिर्फ एक पहचान से ही आगे नहीं बढ़ सकते क्योंकि हमारे जीवन में कई चीजें होती हैं। माता-पिता मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज हैं लेकिन मैं एक टेनिस खिलाड़ी भी हूं। उन्होंने कहा, ÷मैं अपने बच्चों को प्रेरित करने के लिए निजी सपने पूरा करना चाहती हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि विश्वभर में महिला जानती हैं की वो जो चाहे कर सकती हैं। मां बनना सबसे कठिन काम है, जब आप इसको संतुलित कर लेते हैं तो आप कुछ भी कर सकते हैं।÷

एक अन्य सेमीफाइनल मुकाबले में दो बार की ग्रैंड स्लेम चैंपियन ओसाका का अमेरिकी खिलाड़ी जेनिफर ब्रॉडी से मुकाबला हुआ जिसमें ओसाका ने दो घंटे आठ मिनट तक चले मैच में ब्रॉडी को 7-6, 3-6, 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

इस जीत के साथ ही ओसाका ने अपना लगातार 10वां मैच जीता। यूएस ओपन से पहले ओसाका वेस्टर्न के सर्दन ओपन के फाइनल में पहुंची थी लेकिन चोट के कारण उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। ओसाका की नजरें अब अपना तीसरा ग्रैंड स्लेम जीतने पर होंगी। ओसाका 2018 में यूएस ओपन की विजेता रही थीं और वह एक बार फिर यह कारनामा दोहराना चाहेंगी।

ब्रॉडी पहली बार किसी ग्रैंड स्लेम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची थीं लेकिन वह इस मौके को भूनाने में नाकाम रहीं। ओसाका ने मुकाबले में नौ एस लगाए जबकि ब्रॉडी ने 10 एस लगाए। ओसाका ने 35 और ब्रॉडी ने भी 35 विनर्स लगाए। चौथी सीड ओसाका ने 17 बेजां भूलें की और ब्रॉडी ने 25 बेजां भूलें कीं।

ओसाका ने कहा, ÷कई बार मैं सोचती हूं कि मेरे पास कठिन होकर खेलने के सिवाए कोई विकल्प नहीं है। ईमानदारी से कहूं तो मैच में आनंद आया क्योंकि टूर्नामेंट के अंत में मुझे बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी मिला।÷

उन्होंने कहा, ÷मैं कह सकती हूं इस बार मेरी मानसिकता थोड़ी अलग है। मुझे लगता है कि मैंने करियर में उतार-चढ़ाव से काफी कुछ सीखा है। इसमें फाइनल मुकाबले शामिल नहीं है, मैं सिर्फ नियमित टूर टर्नामेंट की बात कर रही हूं। मानसिक तौर पर मैं मजबूत हूं और फिट महसूस कर रही हूं। फाइनल मुकाबला मजेदार होगा।÷

ब्रॉडी ने कहा, ÷मुझे अपनी कोशिश पर गर्व है। मैं इस मुकाबले में उसी मानसिकता के साथ उतरी थी जैसा हर मुकाबले में उतरती हूं। मेरा एक ही लक्ष्य था सभी सिंगल अंक पर कड़ी टक्कर देना। मुझे लगता है कि मैंने ऐसा किया। मैं इस टूर्नामेंट से गर्व के साथ विदा ले रही हूं।÷

संक्षिप्त समाचार .....

इंग्लैंड टीम के कोच चाहते हैं कि ये खिलाड़ी करे टेस्ट क्रिकेट में वापसी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने कहा है कि टीम प्रबंधन श्रीलंका और भारत के प्रस्तावित दौरे के लिए लेग स्पिनर आदिल रशीद से टेस्ट में वापसी को लेकर बात करेगा। कोच सिल्वरवुड ने कहा है कि यह चर्चा इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार 11 सितंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद की जाएगी। अभी सभी का फोकस इस महत्वपूर्ण वनडे सीरीज पर है, जो आइसीसी वनडे विश्व कप 2023 सुपर लीग का हिस्सा है।लेग स्पिनर आदिल रशीद ने जनवरी 2019 के बाद से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेली है। उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। इससे पहले आदिल रशीद ने कई और सीमित ओवरों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था, जबकि पिछले साल खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में भी आदिल रशीद ने कई विकेट चटकाए थे, लेकिन उनको ज्यादा मौका नहीं मिला था।ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड की टीम को मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने कहा है कि आदिल रशीद की टेस्ट में वापसी एक ट्रेनिंग कैंप के माध्यम से हो सकती है। सिल्वरवुड ने आगे कहा कि वह रशीद से टेस्ट में वापसी को लेकर चर्चा कर रहे हैं, लेकिन वह अभी इन सब बातों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के खत्म होने तक ठंडे बस्ते में डाल सकते हैं, क्योंकि अभी वनडे सीरीज पर टीम को फोकस करना है।कोच सिल्वरवुड ने कहा है, मैं उन्हें टीम में चुनने से पहले उनके हाथ में लाल गेंद देखना चाहता हूं। बातें हो रही हैं, अभी धीरे-धीरे चर्चा चल रही है। वहीं, जब पूर्व क्रिकेटर सिल्वरवुड से पूछा गया कि क्या रशीद टेस्ट खेलने के इच्छुक हैं तो कोच ने इसके जवाब में कहा कि उनसे बात चल रही है। उन्होंने कहा, उनके साथ चर्चा चल रही है और मैं अभी इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहता। हमें पहले वनडे सीरीज जीतनी है और इसके बाद हम चर्चा करेंगे। आदिल रशीद ने 19 टेस्ट मैचों में 60 विकेट हासिल किए हैं।

शोएब अख्तर का खुलासा, बोर्ड ने दिया मुख्य चयनकर्ता बनने का ऑफर, मिस्बाह की होगी छुट्टी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज

गेंदबाज शोएब अख्तर ने टीम के मुख्य कोच और चयनकर्ता की भूमिका निभाने वाले मिस्बाह उल हक को निशाना साधा था। उनका कहना है कि मिस्बाह की जगह वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मुख्य चयनकर्ता हो सकते हैं। बोर्ड उनको हटाने की योजना बना रही है और इस बारे में पीसीबी ने उनको प्रस्ताव दिया है।पाकिस्तान क्रिकेट टीम की टी20 रैंकिंग में गिरावट आने की वजह से अख्तर ने मिस्बाह की कोचिंग पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि बतौर कोच और चयनकर्ता मिस्बाह का फैसले गलत रहे और इस बात को स्वीकार करने की हिम्मत होनी चाहिए। गुरुवार को अख्तर ने इस बात का खुलासा किया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से उनकी बात चल रही है और उनको देश में क्रिकेट के सुधार के लिए चयन समिति के चेयरमैन का प्रस्ताव मिला है। इसके मुताबिक वह मिस्बाह की जगह इस जिम्मेदारी को संभाल सकते हैं।पीसीबी मिस्बाह को मुख्य कोच और चयनकर्ता के पद से हटाने की योजना बना रही है और इस भूमिका के लिए अख्तर के बारे में विचार किया जा रहा है।

कोरोना को मात देकर आज से ट्रेनिंग शुरू करेगें दीपक चाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस का सामना 19 सितंबर को इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में करना है। इससे पहले टीम के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। टीम के तेज गेंदबाज दीपक चाहर पूरी तरह से कोरोना वायरस संक्रमण से उबर चुके हैं और वे आज यानी शुक्रवार 11 सितंबर से ट्रेनिंग और प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं। इस बात का ऐलान खुद सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने किया है।

सीएसके के सीईओ विश्वनाथन ने कहा कि दीपक चाहर को न केवल सीएसके की तरफ से, बल्कि बीसीसीआइ की मेडिकल टीम से भी क्लीयरेंस मिल चुका है। इसी के साथ वह मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा है, ÷दीपक को सीएसके और बीसीसीआइ की ओर से सभी आवश्यक मंजूरी मिल गई है और वह आज से प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।÷ बता दें कि दीपक समेत सीएसके के 13 सदस्यों को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया

गया था।

वहीं, जब सीएसके के सीईओ से ये पूछा गया कि फ्रेंचाइजी क्या कोई विदेशी खिलाड़ी (डेविड मलान) को सुरेश रैना के रिप्लेसमेंट के तौर पर अप्रोच कर रही है तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हमारा विदेशी कोटा फुल हो चुका है। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए भी खबर है, क्योंकि विदेशी खिलाड़ियों का हमारा कोटा पहले से ही भरा हुआ है। इसलिए मुझे नहीं पता कि हम अपनी टीम में एक और विदेशी कैसे शामिल कर सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या किसी अन्य विदेशी खिलाड़ी के साथ कोई चोट का मुद्दा था जो इन अफवाहों का कारण बना तो उन्होंने कहा टीम के किसी खिलाड़ियों को कोई चोट नहीं लगी है। सीएसके के बयान से स्पष्ट हो गया है कि 19 सितंबर से 10 नवंबर तक यूएई के अबू धाबी, दुबई और शारजाह में होने वाले आइपीएल के लिए सुरेश रैना के विकल्प के तौर पर कोई भारतीय खिलाड़ी आ सकता है, लेकिन सीएसके नहीं चाहती कि उनका रिप्लेसमेंट लिया जाए।

दुनिया का नंबर वन टी20 बल्लेबाज ले सकता है सुरेश रैना की जगह, CSK के लिए है अच्छा विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस्टर नाम से फेमस बाएं हाथ के बल्लेबाज सुरेश रैना ने इस बार इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल के 13वें सीजन से अपना नाम वापस ले लिया है। सुरेश रैना ने निजी कारणों का हवाला देते हुए आइपीएल 2020 में नहीं खेलना का फैसला किया है। रैना चेन्नई सुपर किंग्स (ष्ट्रस्थ्य) के अहम खिलाड़ी रहे हैं। ऐसे में टीम के लिए ये तगड़ा झटका था, लेकिन अब खबर है कि सीएसके उनके रिप्लेसमेंट की ओर देख रही है, जिसका ऐलान जल्द हो सकता है। दरअसल, सुरेश रैना जब दुबई से भारत लौट आए थे तो सीएसके ने कहा था कि हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं और उनके साथ हैं। इसके साथ-साथ सीएसके ने ये भी बात कही थी कि हम उनके रिप्लेसमेंट के लिए नहीं देख रहे हैं, जबकि सुरेश रैना ने दैनिक जागरण से बात करते हुए कहा था कि वे फिर से आइपीएल 2020 के लिए यूएई जा सकते हैं, लेकिन इस बीच खबर सामने आई है कि चेन्नई सुपर किंग्स ने सुरेश रैना का विकल्प खोज लिया है, जिसका ऐलान जल्द किया जा सकता है। सीएसके फ्रेंचाइजी सुरेश रैना के रिप्लेसमेंट के तौर पर इंग्लैंड टीम के धाकड़ बल्लेबाड डेविड मलान की ओर देख रही है, जो मौजूदा समय में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में नंबर वन बल्लेबाज हैं। मलान इंग्लैंड के लिए मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हैं और रैना भी सीएसके के लिए नंबर 3 या 4 पर खेलते थे। ऐसे में रैना के रिप्लेसमेंट के तौर पर डेविड मलान मौजूदा समय में सीएसके लिए सबसे अच्छा विकल्प हैं। टीम के सूत्रों ने एक

वेबसाइट से बात करते हुए स्पष्ट किया है मलान से बात चल रही है। सीएसके से जुड़े सूत्र ने कहा है, ÷ये सिर्फ चर्चाएं हैं, कुछ भी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। डेविड मलान एक बहुत ही कुशल टी20 खिलाड़ी है। वह भी रैना की तरह बाएं हाथ के हैं, लेकिन टीम प्रबंधन ने रैना के प्रतिस्थापन का ऐलान करने या नहीं करने पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। डेविड मलान की बात करें तो उन्होंने अब तक खेले 16 टी20 मैचों में एक शतक के साथ 48.71 के औसत से 682 रन बनाए हैं।

पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ने विराट कोहली को बताया दुश्मन, दिया गलत बयान

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर मौजूदा समय में पाकिस्तान की टीम के चीफ सलेक्टर बनने की रेस में चल रहे हैं। पीसीबी ने उनके मुख्य चयनकर्ता बनने के लिए ऑफर किया है। शोएब अख्तर भी चाहते हैं कि अगर उनको सही ऑफर मिलता है तो वे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ काम करेंगे, लेकिन इसी बीच उन्होंने भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली को दुश्मन बता दिया है। हालांकि, उनके इस बयान के मायने अलग हैं।

दरअसल, पाकिस्तान में एक टीवी शो के दौरान शोएब अख्तर से पाकिस्तानी क्रिकेटरों की आलोचना करने को लेकर सवाल किए गए। शोएब अख्तर से शो के एंकर ने पूछा कि आप पाकिस्तान टीम के खिलाड़ियों की आलोचना करते हैं, लेकिन आपका रवैया भारतीय खिलाड़ियों के साथ ऐसा नहीं है। क्रिकेट को लेकर अपनी बेबाक राय रखने के लिए मशहूर शोएब अख्तर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के खाते में इतने रन हैं कि उनकी बुराई नहीं की जा सकती।रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर ने अपने जवाब में कहा, ÷मैंने टीम इंडिया की भी आलोचना की है, लेकिन विराट कोहली 12 हजार रन बना चुके हैं तो आप क्या कहें, रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक जड़े हैं, इस बारे में आप क्या कहेंगे। आपको दुश्मन की गुणवत्ता के बारे में जानना चाहिए। विराट कोहली महान बल्लेबाज बन गए हैं, आप क्या कह सकते हैं, क्या मुझे ये कहना चाहिए कि वह खराब व्यक्ति हैं या फिर वह अच्छे खिलाड़ी नहीं है।शोएब अख्तर इसलिए भी विराट कोहली और रोहित शर्मा की तारीफ करते हैं, क्योंकि वे वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में नंबर 1 और नंबर 2 बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के पास मौजूदा समय में ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं है जो इन दो खिलाड़ियों को मात दे पाए। हर कोई बाबर आजम की बात करता है, लेकिन बाबर आजम और विराट कोहली में जमीन-आसमान का अंतर है, क्योंकि उन्होंने अभी काफी कम क्रिकेट खेली है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड न्यूजीलैंड के दौरे पर ले जाएगा 4 टीमों के बराबर खिलाड़ी, रिपोर्ट आई सामने

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की टीम को दिसंबर 2022 से जनवरी 2021 में न्यूजीलैंड का दौरा करना है। इस दौरे के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड एक बड़ा और हैरान करने वाला फैसला ले सकता है। जी हां, पाकिस्तान के टीम 20 या 25 खिलाड़ियों के साथ नहीं, बल्कि 40 से 45 खिलाड़ियों के साथ न्यूजीलैंड के दौरे पर जा सकती है। ऐसा पहली बार होगा जब किसी देश का इतना बड़ा दल द्विपक्षीय सीरीज के लिए किसी दूसरे देश जाएगा।न्यूज एजेंसी पीटीआइ ने क्रिकेट पाकिस्तान का हवाला देते हुए कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी एक बड़ा दल न्यूजीलैंड भेज सकता है, जिसमें पाकिस्तान की ए टीम के खिलाड़ी भी होंगे। पाकिस्तान की ए टीम न्यूजीलैंड में चार दिवसीय क्रिकेट खेलेगी।

इसके बाद सीनियर टीमों के बीच टेस्ट क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा होगी। पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम को न्यूजीलैंड की सरजमीं पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज और 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।पीसीबी से जुड़े सूत्र ने कहा है, ÷न्यूजीलैंड में सख्त कोविड-19 नियमों और प्रोटोकॉल के कारण खिलाड़ियों की संख्या दोनों वर्गों में होगी और खिलाड़ियों और अधिकारियों के जल्दी पहुंचने के बाद अपने मैच शुरू करने से पहले 14 दिन तक क्वारंटाइन में रहना होगा और फिर इसके बाद बायो-सिक्योर बबल में प्रवेश करना होगा।÷ हालांकि, इतने सारे खिलाड़ी न्यूजीलैंड की यात्रा करने के लिए तैयार हैं, इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि घरेलू सीजन कितना प्रतिस्पर्धी होगा।

सनराइजर्स हैदराबाद इस-इस दिन खेलेगी अपने मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग का पूरा शेड्यूल जारी हो गया है, लेकिन क्रिकेट फैंस की अपनी अलग-अलग पसंद होती है कि वे कौन सी टीम को पसंद करते हैं, जिसका समर्थन वे इस सीजन में करने वाले हैं। खासकर उन क्रिकेट फैंस के लिए इसका ज्यादा महत्व हो जाता है, जिसका पसंदीदा खिलाड़ी उस टीम का हिस्सा होता है। इसके साथ-साथ क्रिकेट फैंस अलग-अलग टीमों के साथ इसलिए भी जुड़ते हैं, क्योंकि वो टीम उनके शहर या फिर प्रदेश की होती है। भारतीय टीम के साथ थोड़ा अलग हो जाता है, क्योंकि वो देश की टीम होती है।ऐसे ही अगर आप भी IPL में सनराइजर्स हैदराबाद टीम के फैन हैं, मनीष पांडे, डेविड वार्नर, केन विलियमसन और भुवनेश्वर कुमार जैसे खिलाड़ियों को पसंद करते हैं तो आपको टीम के शेड्यूल के बारे में भी जानना चाहिए कि वार्नर की कप्तानी वाली एसआरएच टीम कब और किस

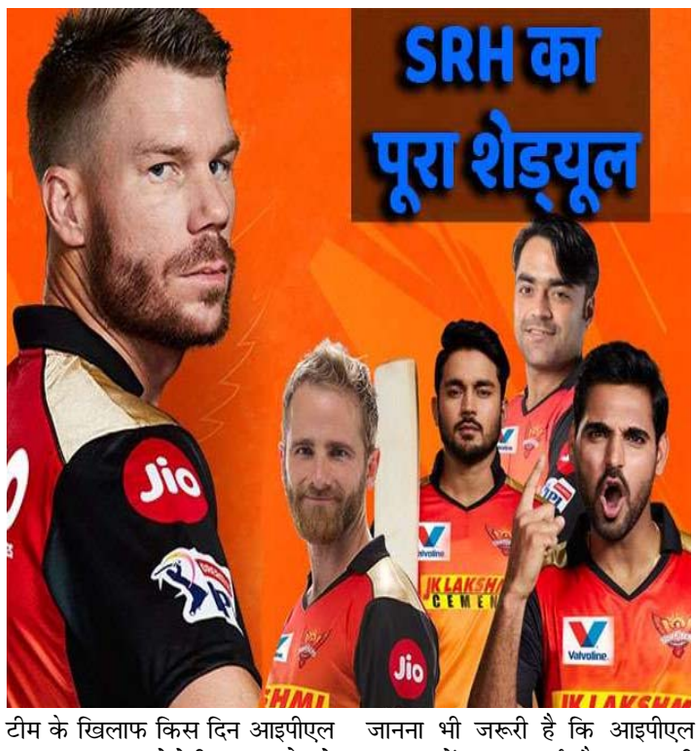

टीम के खिलाफ किस दिन आइपीएल का मुकाबला खेलेगी। आपको ये जानना भी जरूरी है कि आइपीएल 2020 में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम कब अपने अभियान की शुरुआत करेगी और कौन-कौन से दिन हैदराबाद की टीम को दोपहर को मैच खेलना है। इसलिए आज हम आपको सिर्फ स्त्रा के शेड्यूल के बारे में बता रहे हैं। दरअसल, सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने 2013 के सीजन से खेलना शुरू किया है और टीम 2016 में विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हराकर पहला खिताब जीता था। वहीं, दूसरे खिताब की जुगत में लगी स्त्रा की टीम को ढ्ढक्क 2020 में अपने अभियान की शुरुआत 21 सितंबर को करनी है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अपना पहला मुकाबला दुबई के मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर यानी आरसीबी के खिलाफ खेलेगी। ये मुकाबला यूएई के समय के अनुसार शाम 6 बजे शुरू होगा, लेकिन उस समय भारत में शाम के साढ़े 7 बज चुके होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद का पूरा शेड्यूल नीचे दिया गया है।

युवाओं की फौज कोलकाता नाइट राइडर्स का पूरा कार्यक्रम, कब होगा किस टीम से मुकाबला

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम युवाओं से भरी हुई है। इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें एडिशन में टीम का इरादा अपने बेहतर खेल से ना सिर्फ सबको आकर्षित करना होगा बल्कि ट्रॉफी को जीतकर इसकी तिकड़ी पूरी करना भी रहेगा। दिनेश कार्तिक की कप्तानी पर तलवार लकट रही है और इस बार उनके लिए आर या पार का मौका होने वाला है।इस टूर्नामेंट के जरिए कोलकाता की टीम अपनी पहचान को वापसी हासिल करना चाहेगी। टीम ने इस बार सबसे उंची बोली लगाकर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस को टीम में शामिल किया है। वहीं आंद्रे रसेल का तूफानी पारी पर भी टीम को भरोसा है। इस सीजन में टीम के लीग मुकाबलों का कार्यक्रम कुछ ऐसा रहने वाला है।कोलकाता नाइट राइडर्स का कार्यक्रम 23 सितंबर - बुधवार - पांचवां मैच - कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम मुंबई इंडियंस26 सितंबर - शनिवार - आठवां मैच - कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद30 सितंबर - बुधवार - 12वां मैच - राजस्थान रॉयल्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स3 अक्टूबर - शनिवार - 16वां मैच - दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स7 अक्टूबर - बुधवार - 21वां मैच - चेन्नई सुपर किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स10 अक्टूबर - शनिवार- 24वां मैच - किंग्स इलेवन पंजाब बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स12 अक्टूबर - सोमवार - 28वां मैच - रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स16 अक्टूबर - शुक्रवार - 32वां मैच - मुंबई इंडियंस बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स18 अक्टूबर - रविवार - 35वां मैच - कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद21 अक्टूबर - बुधवार - 39वां मैच - रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स24 अक्टूबर - शनिवार - 42वां मैच - दिल्ली कैपिटल्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स26 अक्टूबर - सोमवार - 46वां मैच - किंग्स इलेवन पंजाब बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स

एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने आदर जैन संग कबूल किया अपना रिलेशनशिप ,बोलीं-खूबसूरत चीजें नहीं छुपानी चाहिए

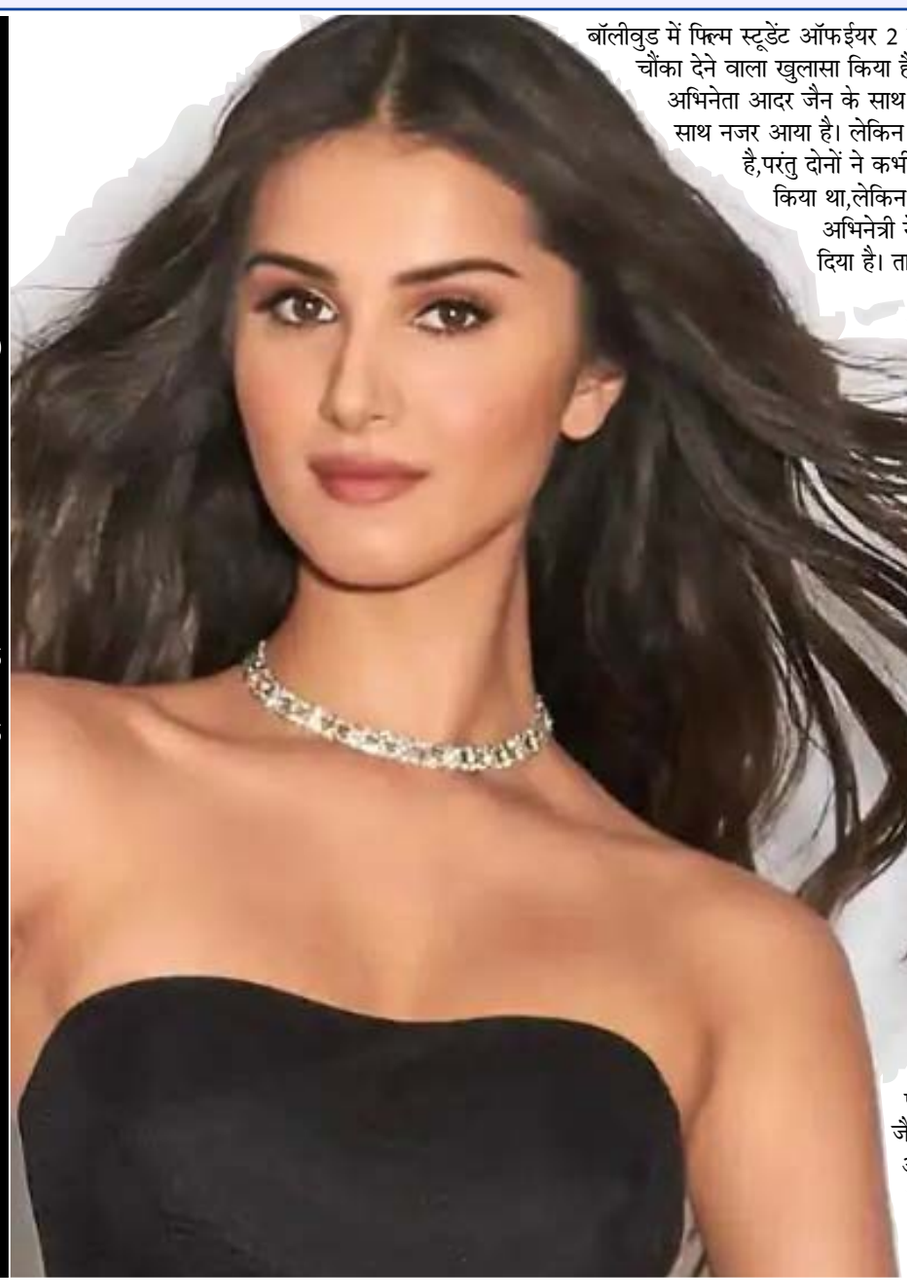

बॉलीवुड में फिल्म स्टूडेंट ऑफईयर 2 से अपना डेब्यू करने वाली अदाकारा तारा सुतारिया ने एक चौंका देने वाला खुलासा किया है। तारा ने अब सबके सामने स्वीकार कर लिया है कि वो अभिनेता आदर जैन के साथ रिलेशनशिप में है,हालांकि पहले बहुत बार ये कपल एक साथ नजर आया है। लेकिन हाल ही में तारा सुतारिया ने अपनी साथ में फोटो साझा की है,परंतु दोनों ने कभी भी अपने रिलेशनशिप में होने की बात का पर्दाफाश नहीं किया था,लेकिन अब तारा और आदर के फैंस का इंतजार खत्म होते हुए अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी लव लाइफ का राज खोल दिया है। तारा सुतारिया ने एक निजी चौनल को दिए गए अपने इंटरव्यू में बताया कि वो यह नहीं मानती की कोई चीज जो खूबसूरत है,उसे किसी से भी छुपाया जाना चाहिए,मगर यह समझना चाहिए कि कितने सारे सेलेब्स अपने रिलेशनशिप को लेकर चुप बैठे रहते हैं,उन्होंने कहा मैंने वास्तव में किसी पत्रकार या मीडिया के सदस्यों को इस बारे में कुछ नहीं कहा है और मेरा खुद का मानना है कि यदि आप किसी के साथ तो यह खास है और पवित्र है। आगे तारा ने बताया हमारी लाइन में कुछ ही चीजें पास होती हैं या फिर किसी कल्पनाओं में होती है। ऐसे में समझ नहीं आता कि आखिर लोग चीजों को अपने तक ही क्यों रखते हैं,उसे शेयर क्यों नहीं करते हैं। अगर मुझे लगता है कि कोई चीज सुंदर, अद्भुत और जादू से भरी है।ऐसी जीजें कई लोगों के जीवन में होती हैं। मुझे नहीं लगता कि ऐसा चीजें छुपानी चाहिए, जो खूबसूरत है। हालांकि अबतक मैंने रिलेशनशिप को लेकर किसी तरह की कोई बातचीत नहीं की है, ऐसे में लोग वहीं सोचेंगे जो वह सोचना चाहते हैं। बता दें कि पिछले महीने बॉयफ्रेंड आदर जैन के जन्मदिन के खास मौके पर तारा ने उन्हें खास अंदाज में बर्थडे विशेश दी। उन्होंने अपने इंस्टा पर आदर के साथ एक फेटो साझा करते हुए स्पेशल मैसेज लिखा। साथ ही आदर जैन को अपना सबसे ज्यादा पंसदीदा व्यक्ति बताया था। तारा और आदर बॉलीवुड की पार्टियों में अक्सर साथ में दिखाई देते हैं। वहीं नए साल की छुट्टियां मनाकर लौटे इस कपल को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था।

सोनम कपूर ने कंगना रनौत के ऑफिस टूटने पर कही ये बात, भड़की पंगा क्वीन ने लगाई लताड़ कहा-माफिया बिंबो

स्वर्गीय एक्टर सुशांत सिंह राजपूत केस को लेकर अभी तक बॉलीवुड का तबका चुप्पी साधे हुए था,लेकिन ड्रग एंगल में एनसीबी की हुई जांच और मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती की गिरफ्तारी के बाद बॉलीवुड जगत एक साथ अभिनेत्री के सपोर्ट में खड़ा नजर आ रहा है। वहीं बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत के ऑफिस में हुई बीएमसी की कार्रवाई के बाद किसी ने कोई रिएक्शन नहीं दिया। हालांकि दीया मिर्जा ने कंगना रनौत के दफ्तर में बीते बुधवार को हुई तोड़फोड़ को लेकर ट्वीट जरूर किया है। साथ ही एक्ट्रेस ने इस कार्रवाई को गलत बताया। अब दीया के इस ट्वीट पर सोनम कपूर ने कंगना पर निशाना साधा तो पंगा अभिनेत्री ने अपना गुस्सा जाहिर कर उन्हें माफिया बिंबो कह दिया। दरअसल दीया मिर्जा ने एक ट्वीट पर अपनी राय रखी,जिसमें दीया ने कंगना रनौत के ऑफिस में हुई तोडफोड़ की निंदा की उन्होंने इस पोस्ट पर लिखा,मैं कंगना के ऑफिस में तोडफोड़ की निंदा करती हूं,मैं रिया के खिलाफ उत्पीडन और दुर्व्यवहार की निंदा करती हूं,मैं यहां किसी का पक्ष नहीं ले रही हूं,जो सही है केवल उस पर अपनी बात रख रही हूं। याद रखें कि ऐसा आपके साथ भी हो सकता है। दीया मिर्जा की यह बात सुनकर सोनम कपूर ने भी रिएक्ट किया। इसमें सोनम ने महात्मा गांधी की एक पंक्ति लिखी और कहा, आंख के लिए आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देती है। परंतु ऐसा लगता है कि सोनम की बात कंगना को रास नहीं,तभी तो पंगा क्वीन ने सोनम पर तंज कसा और कहा,उनके संघर्षों की तुलना रिया चक्रवर्ती से नहीं की जानी चाहिए। इस बीच कंगना ने एक ट्वीट किया जिसमें उन्होंने कहा अचानक माफिया बिंबों ने मेरे घर त्रासदी के जारिए से रिया के लिए न्याय मांगना शुरू कर दिया है,मेरी लड़ाई लोगों के लिए है कि वो मेरे संघर्षों की तुलना एक छोटी ड्रगी से न करें,जो एक कमजोर और टूटी है। इसे फौरान बंद करो। बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत से जुड़े ड्रग एंगल की जांच कर रही एनसीबी ने रिया चक्रवर्ती को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।वहीं शुक्रवार यानि आज रिया की जमानत अर्जी पर फैसला आना था,जिसे सेशंस कोर्ट ने खारिज कर दिया है। वहीं अब रिया और उनके भाई शोविक को 22 सितंबर तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़ेगा।

अंकिता लोखंडे ने रिया चक्रवर्ती पर कसा तंज,कहा-मुझे विधवा और सौतन कहा

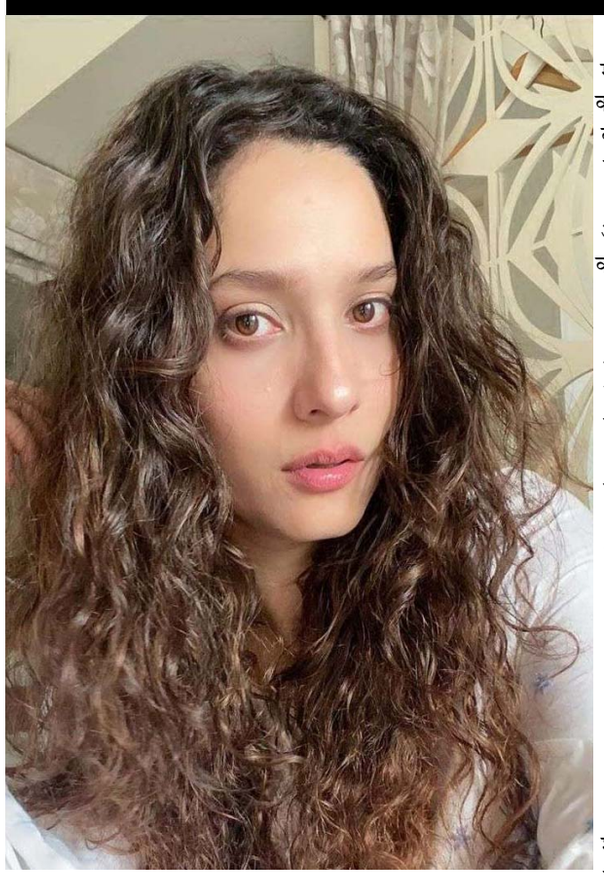

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में मंगलवार को नारकोस्टिक कंट्रोल ब्यूरो ने रिया को ड्रग्स के लेन-देन करने पर सलाखों के पीछे डाल दिया है। फिलहाल रिया भायखला जेल में हैं। इस दौरान सुशांत की एक्स गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने बुधवार रात को सोशल मीडिया अकाउंट पर एक लंबा चौड़ा मैसेज लिख रिया चक्रवर्ती पर सीधा निशाना साधा है। दरअसल अभिनेतत्री ने अपनी इस पोस्ट में लिखा मुझसे बार-बार मीडिया सवाल करती है कि क्या लगता है कि ये मर्डर है या फिर सुसाइड? आपको साफ कर दूं कि मैंने कभी नहीं कहा कि ये मर्डर है या इसके लिए कोई एक शख्स जिम्मेदार है। मैंने हमेशा मेरे दिवंगत दोस्त सुशांत के लिए न्याय की बात करी है और मैं उसकी फैमिली के साथ खड़ी हूं और जांच एजेंसियों को सारा सच जल्दी ही बाहर लाना चाहिए। भारतीय नगारिक और महाराष्ट्रीयन होने के नाते मुझे राज्य सरकार,सेंट्रल गवर्नमेंट और पुलिस पर पूरा भरोसा है। अंकिता ने आगे लिखा जब मेरे लिए विधवा और सौतन जैसे शब्दों का उपयोग पब्लिक में किया गया। मैंने तो उसपर भी अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मैं केवल 2016 तक सुशांत और उसकी मेंटल हेल्थ बताने के लिए आगे आई,डियर हेटर्स। हो सकता है आपको अपनी दोस्त के बारे में सबकुछ जरूर मालूम हो कि उसकी जिंदगी और रिलेशनशिप में क्या चल रहा है। ये देखकर बहुत अच्छा भी लगा कि आप जाग गए है,मगर काश आपको पहले होश आता और अपने दोस्त को किसी भी तरह के ड्रग न लेने की सलाह एक बार दी होती। वैसे उन्हें सुशांत की मेंटल हेल्थ के बारे में सब कुछ पता था,क्योंकि उन्होंने सारे आम कहा कि सुशांत तो डिप्रेशन में था। अभिनेत्री ने आगे सवाल किया और लिखा,क्या उन्हें एक डिप्रेस्ड आदमी को ड्रग्स का सेवन करने की परमिशन देनी चाहिए और उससे कैसे मदद होगी? दरअसल उसकी हालत उस लेवल तक जा पहुंची थी,जिससे एक आदमी सुशांत की तरह ही हो जाए। क्योंकि उस समय वो सुशांत के सबसे ज्यादा करीब थीं। एक तरफ उनका कहना है कि वो सुशांत की बेहतरी के लिए सभी डॉक्टरों से को-ऑर्डिनेट कर रही थीं,दूसरी ओर वो सुशांत के लिए ड्रग्स को-ऑर्डिनेट कर रही थीं।जो भी ये दावा करता हो कि वो किसी से बहुत प्यार करता है,वो दूसरे को ड्रग्स लेने के लिए कहेगा,ये तब जब उसे अलगे की मेंटल हेल्थ के बारे में पता हो? क्या आप ऐसा कभी कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी कोई कर सकता है। तो यह सारी चीजें देख क्यों न इसे लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना हरकत माना जाए।

रिया चक्रवर्ती की जमानत याचिका खारिज, अब खटखटाएंगी हाई कोर्ट का दरवाजा

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से संबंधित ड्रग्स के एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक चक्रवर्ती की जमानत याचिका विशेष अदालत ने खारिज कर दी है. टीवी रिपोर्ट के अनुसार रिया चक्रवर्ती के वकील ने कहा है कि अगले सप्ताह वह हाई कोर्ट जाएंगे. आपको बता दें कि रिया और शौविक को मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने गिरफ्तार किया था. एनसीबी ने गुरुवार को जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि भले ही इस मामले में जब्त की गई प्रतिबंधित मादक पदार्थों की मात्रा कम थी लेकिन यह वाणिज्यिक मात्रा थी और 1,85,200 रुपये की थी. मुंबई की विशेष अदालत ने शोविक चक्रवर्ती, रिया चक्रवर्ती के साथ-साथ अब्दुल बासित, जैद विलात्रा, दिपेश सावंत और सैमुअल मिरांडा की जमानत याचिका को भी खारिज कर दिया है.इससे पहले विशेष न्यायाधीश जी बी गुराव ने गुरुवार को चक्रवर्ती भाई-बहन के वकील और मामले में विशेष सरकारी अभियोजक की दलीलों को सुना. मामले में चार अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं की भी न्यायाधीश ने सुनवाई की. अदालत ने कहा कि वह शुक्रवार को जमानत याचिकाओं पर अपना आदेश पारित करेगी.आरोपियों की याचिकाओं का विरोध रू सरकारी वकील अतुल सर्पांडे ने कहा कि एनसीबी ने सभी आरोपियों की याचिकाओं का विरोध किया. जमानत याचिकाओं पर अपने जवाब में दाखिल किये गये हफ्लनामे में एनसीबी ने कहा कि रिया चक्रवर्ती और शौविक चक्रवर्ती सुशांत सिंह राजपूत के लिए मादक पदार्थों की व्यवस्था करते थे और उसके पैसे देते थे. सह आरोपी दीपेश सावंत द्वारा दिये गये बयान के अनुसार वह राजपूत और रिया चक्रवर्ती के निर्देश पर मादक पदार्थ खरीदा करता था.मंगलवार को रिया को किया गया गिरफ्तार रू एनसीबी ने तीन दिन की पूछताछ के बाद मंगलवार को रिया को गिरफ्तार कर लिया था जो अभी न्यायिक हिरासत में है. शौविक और सैमुअल मिरांडा को एजेंसी ने पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया था. वकील सतीश मानशिंदे द्वारा दायर अपनी याचिका में रिया चक्रवर्ती ने कहा कि तीन दिन की पूछताछ के दौरान जब वह एनसीबी के समक्ष पेश हुई तो रिया को स्वीकारोक्ति देने के लिए मजबूर किया गया था. हालांकि अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि रिया चक्रवर्ती ने मादक पदार्थों को खरीदने और उसका पैसा देने में अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया है. एनसीबी ने कहा कि यदि आरोपियों को जमानत पर रिहा किया जाता है तो वे सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते है और मामले के प्रमुख गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते है. सभी आरोपी इस समय न्यायिक हिरासत में हैं. अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले की तीन संघीय एजेंसियां एनसीबी, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) विभिन्न दृष्टिकोणों से जांच कर रही है. गौरतलब है कि राजूपत गत 14 जून को बांद्रा स्थित अपने आवास में मृत पाये गये थे.

हिंदी बोली के हैं रुप अनेक

हिंदी दिवसः भाषा के कुछ रोचक तथ्य

वर्ष 1950 से हर साल 14 सितंबर को भारत में हिंदी दिवस मनाया जाता है। अभिनेत्री कामना पाठक ने देश भर में बोली जाने वाली हिंदी की उन बोलियों के बारे में कुछ रोचक तथ्य बताए जो आज भी बोली जाती हैं। कवि लोग ज्यादातर पश्चिमी हिंदी का उपयोग करते हैं लेकिन पूर्वी हिंदी का इस्तेमाल विद्वानों द्वारा किया जाता है। पश्चिमी हिंदी की बोलियों में ब्रज भाषा, हरियाणवी, बुंदेलखंडी और कन्नौजी शामिल है जबकि पूर्वी हिंदी की बोलियों में अवधी, बाघेली, छत्तीसगढ़ी और कनपुरिया भाषाएं आती हैं।÷ अभिनेत्री कामना पाठक इन दिनों एंड टीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में दबंग दुल्हन राजेश के किरदार को लेकर खासी चर्चा में हैं। कामना कई भाषाएं जानती हैं और बुंदेलखंडी बोली में अपने डायलॉग्स बड़ी ही सहजता से बोलती है। उन्होंने हिन्दी की अलग-अलग बोलियों में कई गाने भी गाए हैं। कामना ने हिंदी साहित्य में ऑनर्स किया है और वो एक नाटक के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हिंदी का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। पश्चिमी हिंदी की बोलियों में शामिल हैं-ब्रज भाषा जिसे ब्रज भासा, ब्रज भाखा या बृज भासा के रूप में भी जाना जाता है। यह भाषा शौरासेनी प्राकृत से आई है। यह मुख्य रूप से भारत में 575,000 लोगों द्वारा बोली जाती है। मथुरा, आगरा, एटा और अलीगढ़ जैसे शहरों में ब्रज भाषा का सबसे शुद्ध रूप बोला जाता है। हरयाणवी को खड़ी बोली या जाटू का एक अंग कहा जाता है। यह उत्तर भारत के राज्य हरियाणा और दिल्ली में भी सबसे अधिक बोली जाती है। यह प्रमुख प्रादेशिक भाषाओं में से एक है, जिसकी उत्पत्ति भारतीय भूमि पर हुई है। इसका इस्तेमाल कई फिल्मों एवं शोज में भी किया जा चुका है। 'तनु वेड्स मनु' फिल्म में भी इस भाषा में डायलॉग्स थे। बुंदेलखंडी मध्य भारत के बुंदेलखंड क्षेत्र में बोली जाने वाली भारतीय-आर्य (इंडो-आर्यन) भाषा है। यह इंडो-आर्यन भाषाओं से ताल्लुक रखती है और पश्चिमी हिंदी उपसमूह का हिस्सा है। इस भाषा को न सिर्फ समझना सबसे आसान है बल्कि यह राजस्थान में मार्शल जनजाति द्वारा सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली भाषाओं में से एक है। एंड टीवी के 'हप्पू की उलटन पलटन' की राजेश और एण्ड टीवी के 'गुड़िया हमारी सभी पे भारी' के किरदार बुंदेलखंडी भाषा के कुछ सबसे बेहतरीन जुमले बोलते हुए नजर आते हैं। कन्नौजी उत्तर प्रदेश के कन्नौज में बोली जाने वाली इंडो-आर्यन भाषा है। कन्नौजी हिंदुस्तानी से करीब से जुड़ी हुई है। कुछ इसे हिंदुस्तानी बोली मानते हैं तो कुछ इसे एक अलग पश्चिमी हिंदी भाषा मानते हैं। भारत के भाषाई सर्वे में, इसे ब्रज एवं अवधी के ही एक रूप के तौर पर शामिल किया गया है।

रिया चक्रवर्ती की कैसे बीती जेल में दूसरी रात,जानिए कब क्या खाने को दिया गया

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग्स एंगल का खुलासा हो जानें के बाद नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यरो ने रिया चक्रवर्ती को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल रिया मुंबई की भायरखला जेल में बंद हैं। सूत्रों के अनुसार अभिनेत्री रिया को जेल में जिस जगह रखा हुआ है, उसी के साथ वाली सेल में शीना बोरा हत्याकांड की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी भी हैं। वैसे बता दें कि एनसीबी ने रिया को 14 दिन की हिरासत में लिया है और गुरूवार को जेल में अभिनेत्री का दूसरा दिन था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बताया जा रहा है कि रिया चक्रवर्ती गुरूवार को सुबह छह बजे उठीं। फिर सात से साढ़े सात के बीच उन्हें नाश्ता दिया गय,जिसमें पोहा और चाय था। इसके बाद वो वापस से अपने सेल चली गईं। दोपहर में रिया को लंच दिया गया। लंच में उन्हें दाल,चावल,रोटी और आलू की सब्जी दी गई। रात को डिनर में रिया ने मेस का खाना खाया। इसके बाद वो सोने के लिए चली गई। गौरतलब है कि जेल प्रशासन ने रिया की सुरक्षा को देखते हुए ग्राउंड फ्लोर पर अलग सेल में रखने का निर्णय लिया। जोकि सामान्य बैरक के पास ही में है। बता दें कि ये सेल एक लॉकअप की तरह है,जहां पर तीनों तरफ दीवारें और एक ओर ग्रिल से कवर किया हुआ। याद दिला दें कि रिया को 22 सितंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में रखा गया है। बीते मंगलवार को कोर्ट ने यह फैसला देर रात सुनाया,जिस वजह से वो रात रिया ने एनसीबी के लॉकअप में बिताई।

सलमान खान का एक बार फिर दिखा स्वैग, मास्क पहनकर की साइकलिंग

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान पिछले काफी समय से अपने फॉर्महाउस पर समय बीता रहे हैं। कई वीडियोज और तस्वीरें सलमान खान की सामने आती रहती हैं। इसी बीच सलमान खान की एक नई तस्वीर सामने आई है जिसमें वह मास्क पहनकर साइकिल चलाते दिखाई दे रहे हैं। सलमान खान ने यह तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा की है। ब्लैक जैकेट,ग्रे शॉर्ट्स और लाल जूते पहने हुए दबंग खान नजर आए हैं। इतना ही नहीं काली रंग की टोपी भी पहनी हुई है। सलमान खान ने यह पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा,सुरक्षित रहें। बता दें कि साइकिलिंग करनना सलमान खान को बहुत पसंद है। कई बार मुंबई की सड़कों पर साइकिल चलाते सलमान खान को देखा गया है। कोरोना काल में ये न्यू नॉर्मल अंदाज उनका अब बन गया है। कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन लगा था और अपन फार्महाउस पर ही सलमान खान पूरा समय रहे थे। जब देश में अनलॉक हुआ तब अपने घर सलमान खान आए थे। सलमान खान की फिल्मों की बात करें तो जल्द ही बिग बॉस 14 शुरु होगा। काफी लंबे समय से सलमान खान इस शो को होस्ट करते आ रहे हैं। इस साल भी बिग बॉस के 14वें सीजन को होस्ट करते हुए सलमान खान नजर आएंगे। सूत्रों के हवाले से यह पता चला है कि शॉपिंग मॉल,रेस्टोरेंट, एक छोटा थिएटर आदि यह सुविधाएं इस बार शो में प्रतियोगियों के लिए होंगी। बिग बॉस के पिछले बाकी सीजन से यह सुविधाएं बिल्कुल अलग हैं। दरअसल शो के मेकर्स का कहना है कि लोगों को शॉपिंग, बाहर खाना और सिनेमाघरों में फिल्में लॉकडाउन के दौरान नहीं देख पाए थे। इसलिए यह सब इस बार बिग बॉस के घर में होगा। बता दें कि कुछ नई सुविधाएं शो में इस बार हैं वहीं कुछ नए दिशा निर्देश और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी मौतूदा स्थिति को देखते हुए करना होगा। शो के सूत्रों से पता चला है कि टीवी और फिल्मों के सितारें इस बार हिस्सा होंगे। वहीं आम आदमी के तौर पर महज तीन लोगों को शो में हिस्सा लिया जाएगा। बता दें कि वहीं आम आदमी होंगे जो लाइमलाइट में अपनी किसी वजहों से आए हैं।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।